दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 90 | ग्वालियर, बुधवार 19 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

वाराणसी में ब्लैक फंगस के मामले बढ़े, बाजार से दवा गायब

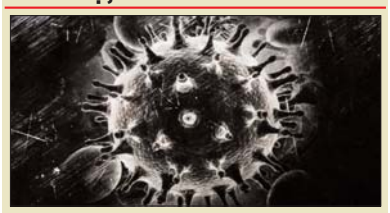

वाराणसी। कोरोना संक्रमण के दौरान ब्लैक फंगस बड़ी मुसीबत बनकर सामने आ गया है वाराणसी में ब्लैक फंगस के दो दर्जन से अधिक मामले सामने आये है एक महिला की मौत हो चुकी है तो दुसरी तरफ ब्लैक फंगस की दवा बाजार से खत्म हो चुकी है तो दूसरी तरफ बीएचयू अस्पताल में ब्लैक फंगस के इलाज के लिए डॉक्टरों की विशेष टीम गठित की गई है. वाराणसी में ब्लैक फंगस के केस जैसे ही बढ़े बाजार से इसकी दावा ही गायब हो गयी बीएचयू अस्पताल के बाहार लंका इलाके में जहाँ दवा की सबसे बड़ी मण्डी है पर यहाँ एक भी दवा की दुकान पर ब्लैक फंगस की दवा नहीं मिली. ब्लैक फंगस के बढ़ते कदम के कारण बीएचयू अस्पताल में अलग से वार्ड के साथ ईएनटी और सर्जरी के डॉक्टरों की एक टीम बनाई गई है बीएचयू के मेडिकल सुपरिटेंडेंट खुद कहते है की 14 मरीज ब्लेक फंगस के अस्पताल में भर्ती है जिनका इलाज किया जा रहा है दवा की थोड़ी कमी है पर दूसरे रिसर्च के लिए जो दवा रखी गई थी उसका भी उयोग कर रहे है प्रशासन से दवा मिलने का आश्वासन मिला है इस समय ब्लैक फंगस की दवा की बाजार में किल्लत थोड़ी चिंता का विषय है सरकार को इस पर ध्यान नही देना चाहिए. बीएचयू के सीनियर डॉक्टर कहते की ब्लैक फंगस की शिकायत अधिकतर उन्ही को हो रही है जो कोविड पोजेटिव रहे है और क्रिटिकल मेडिकल केयर पर रहे है या तो फिर जो मधुमेह के शिकार है इम्युनिटी कम है उन्हें ज्यादा खतरा है पर ऐसा नहीं है इसका इलाज नहीं दवा से लोग ठीक हो सकते है और होते भी है पर ब्लैक फंगस की दवा न मिलना कालाबाजारी होना इस पर सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए. वाराणसी के बीएचयू अस्पताल में ब्लैक फंगस के लिए अलग से वार्ड और डॉक्टरों की टीम बेहतर इलाज के लिए गठित की गई है.

केंद्र वैक्सीन को कारगर बनाने के लिए पाक्षिक कार्यक्रम पर कर रहा कामः पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोविड-19 से अधिक प्रभावित 46 जिलों के जिलाधिकारियों (डीएम) के साथ पहली बातचीत में मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार वैक्सीन आपूर्ति को कारगर बनाने, टीकाकरण और अपव्यय को रोकने के लिए एक पाक्षिक कार्यक्रम पर काम कर रही है. प्रधानमंत्री मोदी ने आठ राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अधिक प्रभावित क्षेत्रों के डीएम के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस पर बातचीत करते हुए उन्हें बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय टीकाकरण के संबंध में व्यवस्थाओं और प्रक्रियाओं को लगातार सुव्यवस्थित कर रहा है, ताकि बड़ी रणनीति बनाई जा सके. बातचीत का अगला दौर 20 मई को 10 राज्यों के 54 जिलों के जिलाधिकारियों के साथ होगा. इस बीच, प्रधानमंत्री ने कहा कि बहुत बड़े पैमाने पर कोरोना वायरस वैक्सीन की आपूर्ति बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं. मोदी ने आगे कहा कि टीकाकरण कोविड से लड़ने का एक सशक्त माध्यम है, इसलिए हमें इससे जुड़े हर भ्रम को एकजुट होकर दूर करना होगा. मोदी ने कहा कि यह देखते हुए कि छूत की जांच के लिए हमारे कवच में तीन मुख्य हथियार हैं, ये स्थानीय नियंत्रण क्षेत्रों, आक्रामक परीक्षण और स्थानीय आबादी को विशेष रूप से अस्पताल के बिस्तर जैसे चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता के संदर्भ में सही और सटीक जानकारी दे रहे हैं. प्रधानमंत्री ने बाद में दवाओं और उपकरणों की कालाबाजारी पर नकेल कसने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि यदि आपको लगता है कि राज्य या केंद्र स्तर पर स्थापित रणनीतियों में बदलाव या नवाचार करने की आवश्यकता है, तो कृपया आगे बढ़ें और सुझाव मेरे या मेरे कार्यालय के साथ साझा करने में संकोच न करें.

यूपी, राजस्थान और दिल्ली में तौकते तूफान का असर

भारी बारिश और आंधी की संभावना

नई दिल्ली। चक्रवात तूफान तौकते के कारण एक तरफ जहां तटीय इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाएं चल रही है. वहीं दूसरी तरफ इस तूफान का असर अन्य राज्यों में भी देखने को मिल रहा है. तौकते को लेकर राज्य सरकारें अलर्ट है. तौकते के कारण मध्य प्रदेश और राजस्थान के कई भागों में तेज बारिश दर्ज हुई है. वहीं मौसम विभाग के अनुसार उ?तर प्रदेश, राज?थान, मध?य प्रदेश, महाराष?ट्र, गोवा और गुजरात के कई स?थानों पर बारिश होगी. आईएमडी के मुताबिक, राजस्थान में तूफान तौकते का असर तो आज से यानी 18 मई से ही दिखने लगेगा. वहीं उत्तर प्रदेश में तूफान तौकते का असर 19 मई को दिखने की संभावना है. दोनों राज्यों को तौकते से अलर्ट रहने को कहा गया है. 19 मई को उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में बारिश होने की संभावना है. मौसम विभाग ने बताया है कि आने वाले 24 घंटे में यूपी और राजस्थान में कई इलाकों में तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की संभावना

है. इसी तूफान की वजह से पश्चिमी विक्षोभ भी अपना असर दिखाएंगा. दोनों राज्यों में 18 से 20 मई यानी दो दिनों तक बारिश और आंधी-पानी की संभावना है. राजधानी दिल्ली में भी तौकते तूफान का असर दिखेगा. मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवाती तूफान और पश्चिमी विक्षोभ के चलते राजधानी दिल्ली में मंगलवार की शाम को तेज हवाओं के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। जबकि, इसके अगले दो दिनों के बीच भी अच्छी बारिश की उम्मीद है.

स्काईमेट वेदर के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान, बहुत भीषण चक्रवात टाक्टे के दक्षिण गुजरात तट पर सोमनाथ या अमरेली पर मध्य रात्रि या 18 मई की सुबह लैंडफॉल करने की उम्मीद है. लैंडफॉल के समय हवा की गति 150-160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 170 किमी प्रति घंटे हो सकती है. गुजरात और उत्तरी महाराष्ट्र तट पर कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है. केरल, कोंकण और गोवा, मध्य प्रदेश के दक्षिण राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है. मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वोत्तर भारत, लक्षद्वीप, आंतरिक तमिलनाडु और आंतरिक कर्नाटक में कुछ तेज बारिश के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है. पश्चिमी हिमालय, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. मौसम विभाग ने 18 और 19 मई के लिए भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का येलो अलर्ट जारी किया है. 18 मई को पर्वतीय जिलों में हल्की से मध्यम व भारी बारिश, बर्फबारी हो सकती है. 19 को उत्तरकाशी, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़ जिलों में भारी बारिश व मैदानी क्षेत्रों में भी बारिश की संभावना है.

प्रधानमंत्री मोदी ने एमपी के जन-भागीदारी मॉडल को सराहा

नई दिल्ली। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना प्रबंधन में मध्यप्रदेश द्वारा अपनाये गये जन-भागीदारी मॉडल की सराहना की है. प्रधानमंत्री मोदी देश भर के राज्य और जिले के अधिकारियों के साथ कोरोना महामारी के दौरान उनके अनुभवों के बारे में वीडियो कॉफ्रेंसिंग के द्वारा संवाद कर रहे थे. प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य प्रदेश के जनभागीदारी मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि जिला, ब्लाक और पंचायत स्तर पर क्राइसिस मनेंजमेंट कमेटियां बनाई गई हैं. इनमें पक्ष-विपक्ष के सभी राजनैतिक दलों के लोगों को जोड़ा गया है. यह जनता से जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका है. जन-प्रतिनिधियों को जोड़कर हम उनकी ऊर्जा का उपयोग कोरोना के विरूध लड़ाई में कर सकते हैं.

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि कोरोना संक्रमण गांवों में फैल रहा है. वहां इसका सामना बिना जनशक्ति और जन-सहयोग के नहीं किया जा सकता. ग्राम,

वार्ड, जिला स्तर पर जन-प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में राजनैतिक दल लोगों को जोड़ने की दिशा में अन्य राज्य भी मध्यप्रदेश के समान कार्य करें तो यह प्रभावी सिद्ध होगा. प्रधानमंत्री मोदी के इस संवाद कार्यक्रम मे देशभर के वे जिले शामिल थे जहां कोरोना के प्रकरण और संक्रमण अधिक हैं. वर्चुअल संवाद में जिला अधिकारियों द्वारा अपनाई गई रणनीति, नवाचार और जिलों और राज्यों द्वारा अपनाई गई बेस्ट प्रैक्टिसेस की जानकारी भी दी गई. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान निवास से वीडियो कॉफ्रेंसिंग द्वारा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए. राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम में इंदौर कलेक्टर मनीष सिंह द्वारा इंदौर में अपनाई गई रणनीति, जन-सहभागिता के लिए किए गए प्रयासों, स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों और आपूर्ति श्रृंखला की दिशा में किए गए कार्यों की जानकारी दी गई.

मारे गए बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिजनों ने सुप्रीमकोर्ट का खटखटाया दरवाजा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है. बीजेपी कार्यकर्ताओं की लगातार हत्या की जा रही है. विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भी हिंसा देखने को मिलनी थी जिसमें बीजेपी पार्टी के दफ्तरों में आग लगा दी गई थी. और कार्यकर्ताओं को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया था. इन हिंसक झड़पों में बीजेपी कार्यकर्ता अभिजीत सरकार और होरोम अधिकारी की हत्या तक कर दी गई थी. अभिजीत सरकार ने तो फेसबुक पर लाइव करके टीएमसी कार्यकर्ताओं की गुंडई को पूरे देश को दिखाया था. जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई थी.

वहीं ममता सरकार इस हिंसा को लेकर कोई ठोस कदम उठाते हुए नहीं दिख रही है. और ना ही पुलिस इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करती हुई नजर आ रही है. जिसके चलते पीड़ित परिवार ने अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. पीड़ित परिवार ने इस हिंसा की जांच की सीबीआई या एसआईटी से कराने की मांग की है. अभिजीत सरकार के भाई और होरोम अधिकारी की पत्नी की ओर से

सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दायर की गई है. दोनों ही परिवारों ने इन हत्याओं की कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच की मांग की गई है. आज इस मामले की सुनवाई हुई. पीड़ित परिवारों की ओर से सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी कोर्ट में पेश हुए. कोर्ट में उन्होंने कहा कि ये गम्भीर मसला है. दो लोगों की निर्दयता से हत्या कर दी गई, लेकिन राज्य सरकार कुछ नहीं कर रही है. उन्होंने कोर्ट से कहा कि इन मामलों की जांच सीबीआई या एसआईटी को सौंप दी जाए. कोरोना के कारण ये सुनवाई वर्चुअल तरीके से की गई. बीच में एक बार एडवोकेट महेश जेठमलानी के सिग्नल वीक होने के कारण कोर्ट को सुनवाई थोड़ी देर के लिए रोकनी पड़ी. बता दें कि अभिजीत सरकार ने फेसबुक लाइव के माध्यम से अपनी बात रखी थी. उन्होंने बताया कि गुंडे लगातार बमबारी कर रहे थे और उन्होंने उनके घर और दफ्तर को तहस-नहस कर डाला. उन्होंने कहा कि उनकी एक ही गलती है कि वे भाजपा कार्यकर्ता हैं. अभिजीत ने अपने वीडियो में बताया था कि उन्होंने कई बेसहारा कुत्तों को पाला था. उनमें से एक मादा कुत्ते ने कुछ बच्चों को भी जन्म दिया था. टीएमसी के गुंडों ने कुत्ते के बच्चों को भी नहीं बख्शा और उन सभी को मार डाला.

भारत में 18 करोड़ से ज्यादा लोगों को लगा कोरोना का टीका

नई दिल्ली। देश में सोमवार को कोविड-19 टीके की 14 लाख 79 हजार 592 खुराक लगाई गईं. इसके साथ ही अब तक टीका लगवाने वालों की संख्या 18.44 करोड़ के पार चली गई. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी. मंत्रालय ने कहा कि सोमवार को 18-44 वर्ष आयुवर्ग के 6 लाख 63 हजार 329 लोगों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई और इस तरह इस टीकाकरण के तीसरे चरण की शुरुआत से अब तक 36 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में इस वर्ग में 59 लाख 32 हजार 704 लाभार्थियों को टीके लगाए जा चुके हैं.

ओडिशाः 19 मई से एक जून तक लगा लॉकडाउन, सप्ताहांत पर पूर्ण रूप से बंदी

नई दिल्ली। ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार ने कोरोना संक्रमण की वजह से आई महामारी से राज्य को सुरक्षित रखने के लिए एक बार फिर 19 मई से लेकर एक जून तक 14 दिनों के लिए लॉकडाउन का ऐलान कर दिया है. राज्य की बीजू जनता दल सरकार ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए राज्य में लॉकडाउन को बढ़ाने का ऐलान किया है. वहीं वीकेंड पर यानी शुक्रवार शाम 6 बजे से सोमवार सुबह 5 बजे तक राज्य में कंप्लीटली लॉकडाउन रहेगा यानि कि सब कुछ पूरी तरह से बंद रहेगा. सरकार ने राज्य में तेजी से बढ़ते हुए कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से यह कदम उठाया है. ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया है कि राज्य में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए 19 मई से एक जून सुबह पांच बजे तक लॉकडाउन रहेगा. (शुक्रवार शाम 6 बजे से सोमवार सुबह 5 बजे तक) पूरी तरह से बंद रहेगा. आपको बता दें कि इसके पहले भी नवीन पटनायक सरकार ने 14 दिनों के लिए राज्य में पूर्ण लॉकडाउन लगा रखा है जिसे फिर से 14 दिनों के लिए आगे बढ़ाने का फैसला किया गया है. ओडिशा में आज 10,321 और नए कोरोना वायरस संक्रमण के मरीजे पाए गए हैं. इसके बाद अब राज्य में कुल मिलाकर कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या का आंकड़ा बढ़कर 6,33,302 तक जा पहुंचा है. जबकि पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण से 22 लोगों की जान गई जिसके बाद इस महामारी से मरने वालों की संख्या का आंकड़ा बढ़कर 2,357 तक जा पहुंचा. वहीं अगर राज्य में कुल एक्टिव मरीजों की संख्या की बात करें तो ये आंकड़ा 1,04,539 तक जा पहुंचा है. अधिकारियों ने बताया कि 10,321 नए मामलों में से 5,779 संक्रमितों की पुष्टि विभिन्न क्वारंटीन सेंटरों से हुई और बाकी मरीजों की पुष्टि संक्रमित मरीज के संपर्क में आए लोगों की जांच के दौरान हुई है.

स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रेसवार्ता

24 घंटे में ठीक हुए चार लाख से ज्यादा मरीज, तोड़े अब तक के सभी रिकॉर्ड

ललितपुर। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर का सामना कर रहे देश में महामारी की स्थिति को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को एक प्रेसवार्ता की। इस दौरान मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि देश के आठ राज्यों में एक लाख से ज्यादा संक्रमण के मामले हैं। 10 राज्यों में कोरोना के मामले 50 हजार से एक लाख के बीच हैं और 18 राज्य ऐसे हैं जहां सक्रिय मामलों की संख्या 50 हजार से कम है। पढ़िए प्रेसवार्ता के प्रमुख बिंदु। अग्रवाल ने कहा कि तीन मई को देश में कोरोना से ठीक होने की दर 81.7 फीसदी थी तो अब बढ़कर 85.6 फीसदी हो गई है। पिछले 24 घंटों में चार

लाख 22 हजार 436 मरीज ठीक हुए हैं, जो कि एक दिन में अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। संयुक्त सचिव ने कहा कि कोरोना संक्रमण से ठीक होने को लेकर एक सकारात्मक रुख देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि आज देश में केस पॉजिटिविटी दर 14.10 फीसदी है। संयुक्त सचिव ने बताया कि देश में 199 जिले ऐसे हैं जहां पिछले तीन सप्ताह से नए मामलों और पॉजिटिविटी में लगातार कमी दर्ज की गई है। मंत्रालय ने कहा कि अभी तक देश की कुल आबादी का 1.8 फीसदी हिस्सा कोरोना महामारी से प्रभावित हो चुका है। हम संक्रमण के प्रसार को दो फीसदी आबादी के अंदर रोकने में सफल हुए हैं।

कोरोना में अनाथ हुए बच्चों को

25 साल तक मिलेंगे ढाई हजार रुपये, मुफ्त शिक्षाः केजरीवाल

कोरोना संक्रमण पर धीरे-धीरे लगाम लगाने में दिल्ली सरकार कामयाब हुई है. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज (मंगलवार को) प्रेस कांफ्रेंस की. जिसमें उन्होंने कई बड़ी घोषणाएं की. जिनसे कोरोना से जूझ रहे दिल्लीवासियों को काफी राहत मिलेगी.

नई दिल्ली। दिल्ली में काफी जद्दोजहद के बाद कोरोना की रफ्तार धीमी पड़ने लगी है. संक्रमण पर धीरे-धीरे लगाम लगाने में दिल्ली सरकार कामयाब हुई है. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज (मंगलवार को) प्रेस कांफ्रेंस की. जिसमें उन्होंने कई बड़ी घोषणाएं की. जिनसे कोरोना से जूझ रहे दिल्लीवासियों को काफी राहत मिलेगी. केजरीवाल ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में कोरोना से अनाथ हुए बच्चों के लिए काफी बड़ी घोषणा की है. केजरीवाल ने ऐलान किया है कि दिल्ली में कोरोना से अनाथ होने वाले बच्चों को 25 साल की उम्र तक दिल्ली सरकार ढाई हजार

रुपये पेंशन देगी. इसके अलावा उनके पढ़ाई का भी सारा खर्चा सरकार उठाएगी. इसके अलावा जिनके घर में कमाने वाले की मौत हो गई है. उसको भी पेंशन दी जाएगी. केजरीवाल ने कहा कि ऐसे कई लोग है जिनके अपनों कि मौत हो गई है उन्हे 50-50 हजार का मुआवजा दिया जाएगा. ऐसे परिवार जिनमे कमाने वाले कि मौत हो गई उनके लिए साथ ढाई हजार की पेंशन दी जाएगी. केजरीवाल ने कहा कि आप सोच रहे होंगे कि पैसा कहां से आएगा, हमने मंथन किया कि इस मुसीबत में हम काम नही आए तो क्या फायदा, इसलिए हमने इसके लिए अलग से पैसा निकाला है. केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में 72 लाख लोग राशन कार्ड धारक है इस महीने 5 किलो राशन के बदले कुछ पैसे लिए जाते है. इस बार उन्हें 10 किलो राशन मुफ्त दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि 5

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोनः 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर...

कोरोना काल मे इंसानों के साथ मूक प्राणियों की सेवा जरूरी : जैन

जोधपुर। भावी से 201 किलो आटे की रोटियां बनाकर वानर, तरबूज गो माता को खिलाया गया। देश मे कोरोना की दूसरी लहर के चलते भावी कस्बे में युवाओ की टीम ने करीब 15 दिन से लगातार ग्रामीणों की सुरक्षा हेतु काढ़ा पिलाया जा रहा है साथ ही रविवार को 150 किलो आटा की रोटियां बनाकर पाली में स्थित सारण भेरूजी के मंदिर एवं काजलवास में रहबे वके वानरों को भी भोजन कराया गया जिसमें रोटियां के साथ केले ,तरबूज,बिस्कुट,खीरा काकड़ी, पपीता, खरबूजा सहित कई फल खिलाने के कार्यक्रम आयोजित किया गया समाजसेवी जीतू जैन ने बताया कि कोरोना काल मे आ ही लोग घरों में रहने के बाद इन वानरों के लिए संकट आ गया जिसको लेकर रवुवार को दिनभर एक दर्जन महिलाओं की मदद से 150 किलो आटे की रोटिया बनाई गई और कई प्रकार के फल तीन गाड़िया में भरकर वानर सेना को खिलाया गया पर्यावरण संजीवनी संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सीरवी ने भी कहा कि मूक प्राणियों की सेवा करने से बहुत पूण्य मिलता है वो भी कोरोना काल मे जहा इंसानों का बाहर घूमने पर रोक है ऐसे समय मे इन प्राणियों को भोजन की आवश्यकता होती है इस मौके पर पर्यावरण संजीवनी संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सीरवी, जितेंद्र जैन,सज्जन नगर सेठ, महेश वैष्णव,कुलदीप अरोड़ा, रामनिवास रेडू,वासुदेव वैष्णव, सहित कई जने मोके पर मौजूद थे ।

ब्रजेश जैन ने दी देशवासियों को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस की शुभकामनाएं

इंदौर(अर्पित गुप्ता)

इंदौर निवासी वृजेश जैन ने अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर देशवासियों को द हिन्द टुडे न्यूज के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।यहां बता दें कि इंदौर निवासी ब्रजेश जैन जी के पास नोटो का एक विशेष खजाना है जिसमे उनके पास एक ही अंक से मिलते जुलते हर प्रकार के नोटो का संग्रह है। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस ब्रजेश जैन ने समाज में संग्रहालय की भूमिका के बारे में बताया।उन्होंने बताया कि हम हर साल 18 मई को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया जाता है इस दिन को मनाने की शुरुआत %द इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूजियम ने 1977 में की थी। उसके बाद से हर साल 18 मई को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया जाने लगा। इस दिन को मनाने का उद्देश्य ऐतिहासिक तथ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाना है ताकि देश विदेश की संस्कृति से लोगों को रूबरू कराया जा सके। हमारे भारत के लगभग सभी राज्यों और प्रदेशों में संग्रहालय है। जहां आपको अपने इतिहास, अपनी सभ्यता और संस्कृति को जानने का मौका मिलता है। कोलकाता संग्रहालय की गिनती देश के सबसे पुराने संग्रहालय में होती है, जिसकी स्थापना 1814 में हुई थी। जबकि देश में सबसे अधिक संग्रहालय मध्य प्रदेश राज्य में है।

लॉकडाउन में दुकान खोलने वाले 6 लोगों पर चालानी कार्रवाई

मोहन मांझी पुष्पांजली टुडे

गोहद -कोरोना संक्रमण के चलते कलेक्टर द्वारा लॉकडाउन को 31 मई तक के लिए बढ़ा दिया है जिसमें कई लोगों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान खोलकर दुकानदारी शुरू कर दी है कुछ दुकानदार शटर बंद करके ग्राहकों को अंदर सामान दे रहे थे पुलिस एवं राजस्व विभाग की टीम द्वारा बाजार में राउंड लिया गया जहां कई लोग अपने अपने प्रतिष्ठान बंद कर भाग गए मौका पर नरेंद्र पुत्र अगर चंद्र,सुभाष पुत्र रामसेवक,मुकेश पुत्र प्रीतम जैन ,राजा मोटर्स,श्याम पुत्र श्री रामस्वरूप,बंटी पुत्र कैलाश पर ?3000 की चालानी कार्रवाई की गई इस कार्यवाही में मुख्य रूप से पटवारी अनुज शर्मा संदीप जैन महेंद्र भदौरिया मौजूद रहे।

अभाविप के आरोग्य अभियान से ग्रामीणों में उम्मीद, स्वास्थ्य व कोरोना को लेकर कर रहे जागरूक

मेहगांव। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मेहगांव के कार्यकर्ताओं द्वारा पिछले एक सप्ताह से आरोग्य अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान कार्यकर्ता अलग अलग टोलियों के माध्यम से ग्रामीणों में स्वास्थ्य को लेकर सर्वेक्षण व जनजागरण कर रहे है। इस अभियान के प्रभारी आनंद जैन ने बताया है कि परिषद अभी तक 9 गांव के 350 परिवारों में 22 सौ से अधिक लोगों का स्वास्थ्य सर्वेक्षण किया गया। इस दौरान कार्यकर्ता अस्वस्थ लोगों की जानकारी संबंधित पंचायत के सेक्रेटरी व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को भी उपलब्ध कराते है और उनके माध्यम से एएनएम के द्वारा दवाई कराकर घर पर ही स्वास्थ्य संबंधी उचित सलाह देते है। कार्यकर्ताओं के द्वारा अधिक सस्पेक्टेड लोगों की जानकारी जनपद पंचायत के सीएमओ और बीएमओ को भी उपलब्ध करा रहे है। **वैक्सीनेशन को लेकर ग्रामीणों का भ्रम दूर कर रहे कार्यकर्ता**-वैक्सीनेशन को लेकर ग्रामीणों में भय की स्थिति है और इसी के चलते गांव में बड़ी अफवाह है। ग्रामीणों में इस अफवाह के चलते गांव के 80 प्रतिशत लोग वैक्सीन लगाने को भी तैयार नही है और गांव में हो रही मृत्यु को भी वैक्सीन लगाने की वजह बता रहे है। इसलिए कार्यकर्ता वैक्सीन को लेकर बनी भ्रम की स्थिति को भी दूर करके अधिक वैक्सीनेशन कराने का प्रयास कर रहे है।

पुलिस ने किया लुटेरे गैंग का भंडाफोड़

बस स्टैंड से सवारियों भर रास्ते मे करते थे लूटपाट

पुष्पांजली टुडे

एटा। जनपद में थाना जैथरा पुलिस द्वारा अलीगंज मार्ग पर दरियापुर तिराहे के पास लूट की योजना

बनाते समय तीन अभियुक्तों को नाजायज असलम के साथ गिरफ्तार किया गया है। वहीं तीन अभियुक्त अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहे। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों देवेश और सौरभ पुत्र सुरेंद्र निवासी दौलतपुर थाना जैथरा, अविनाश पुत्र सूरजपाल जाटव निवासी वजीरपुर थाना हरी पर्वत जनपद आगरा एवं ऋतिक पुत्र विनोद निवासी काशीराम कॉलोनी मानपुर थाना कोतवाली नगर जनपद ने कई लूट की घटनाओं का इकबाल किया है। यह लोग बस स्टैंड से सवारियों को बोलेरो में बैठा कर ले जाते थे और रास्ते में उनका सामान मोबाइल नगदी इत्यादि लूट लेते थे। आरोपियों के कब्जे से 20200 रुपए नगद, दो मोबाइल फोन, आधार कार्ड, मार्कशीट की कॉपी, एक बैग कारपेंटर का सामान, अजीत सौरभ यादव की एक मोटरसाइकिल हंक, लूट की घटनाओं में प्रयोग की जाने वाली सफेद रंग की बोलेरो, एक आरी, एक छेनी, एक हथौड़ी, 3 अवैध तमंचा एवं पांच जिंदा कारतूस 315 बोर के बरामद किए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना का मास्टरमाइंड सौरभ यादव ने संजीव सिंह इंटर कॉलेज से 5 वर्ष पूर्व हाई स्कूल पास किया है। इसने दिसंबर 2020 से जीटी रोड पर स्थित मंडी गेट के पास बालाजी ढाबा प्रारंभ किया और वर्ष 2021 में होली के समय एक सफेद रंग की बोलेरो कमलेश ऑटोव्हील्स दिल्ली रोड एटा से खरीदी। आरोपी अविनाश जाटव सौरभ के ढाबे पर वेटर का काम करता है। सौरभ यादव ने एटा गौशाला में अपनी प्रेमिका की मांग और शौक पूरा करने के लिए गिरोह बनाकर लूट की घटनाओं को बोलेरो के माध्यम से अंजाम दिया। इनके साथी संदीप पुत्र विजयपाल, अभिषेक पुत्र विनोद, दीपू पुत्र साहब सिंह सभी निवासी काशीराम कॉलोनी मानपुर थाना कोतवाली नगर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।

ग्रामीणों की जान बचाना ही हमारा उद्देश्य : सीरवी

भामाशाहो द्वारा अस्तपताल में आये नए उपकरण

पुष्पांजली टुडे

जोधपुर। कस्बे में भावी कोविड हेल्पलाइन के प्रयासों से ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर दान दिया जिसको लेकर आज आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 1 आक्सीजन कनेटटर 2 आक्सीजन सिलेण्डर, 25 आक्सिमिटर,35 भाप वाली मशीन खरीदकर अस्तपताल को सुपुर्द की पर भावी सरपंच सुराराम सीरवी ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भावी कस्बे में 1 महीने में 40 लोग अपनी जान गवा चुके है तथा 50 से ज्यादा कोरोना सक्रमण का शिकार हुए जिसको लेकर कस्बे में ग्रामीणों द्वारा भावी कोविड हेल्पलाइन नाम का व्हाट्सअप ग्रुप बनाकर सहायता राशि जुटाने के लिए क्रमबद्ध हुए मात्र 10 दिनों 3 लाख रुपये एकत्रित कर स्वास्थ्य सम्बंधित उपकरण खरीदकर ब्लाक ष्ठद्धश्र डॉ जितेंद्र सिंह चारण भावी चिकित्सा प्रभारी डॉ मनीष आचार्य को सोपी गई ।समाजसेवी अशोक कुबावत प्रवीण सोनी ने बताया कि हमारे टीम के प्रयास से यदि इन उपकरणों से एक भी मरीज की जान बच जाए तो हमारा ये प्रयास सफल हो जाएगा इस मौके पर सरपंच सुराराम सीरवी, ब्लाक ष्ठद्धश्र डॉ जितेंद्र सिंह चारण, भावी चिकित्सा प्रभारी डॉ मनीष आचार्य भामाशाह घनश्याम बर्फा, शिवराम जी जाट, अशोक कुबावत,प्रवीण सोनी नरेंद्र सोनी, गोविन्द सीरवी, जितेंद्र जैन, राकेश जैन,ओमप्रकाश सहित कई जने मोके ओर मौजूद थे ।

ओ एम आर रोड़ पौन ब्रोकेर्स एसोसिएशन द्वारा एक लाख रुपये का चेक मुख्यमंत्री कोच मे दिये

प्रेस नारायणलाल सैणचा बैगलोर

चैन्नई। ओ एम आर रोड़ पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की तरफ से आज मुख्यमंत्री सहायता कोष में वैश्विक बीमारी कोरोना मैं मदद के लिए आज एक लाख रूपये का चेक तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष महोदय स्वामी तेजानंद को सुपुर्द किया गया इस कार्यक्रम मे ओ एम आर रोड़ के अध्यक्ष ओगड़ राम बर्फा उपाध्यक्ष जेठाराम बर्फा सचिव खीवाराम हम्बड़ पेरनगुड़ी बडेर के अध्यक्ष रतनलाल सींदड़ा उप कोषाध्यक्ष महोदय डगराराम चोयल पेरीयपालीयम के भागीरतजी जाट चौधरी बडेर पुजारी बाबूलाल तथा अन्य गणमान्य सदस्य महोदय मोहनलाल सोहनलाल तेजाराम पंवार मौजूद रहे।

विकलांग बल मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष पाठक ने सांसद व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को सौपा ज्ञापन

पुष्पांजली टुडे

श्योपुर विकलांग बल मध्यप्रदेश जिला इकाई श्योपुर के विकलांगों के हित के लिए विकलांग बल मध्यप्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद पाठक ने बताया की कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन में विकलांग जनों को आर्थिक मदद के साथ साथ अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने हेतु मुरैना श्योपुर सांसद व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को ज्ञापन सौपा है प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद पाठक ने माननीय सांसद जी से निवेदन किया है कि ष्प1द्वस्र 19 के कोरोना काल की वजह से दिनांक 15/04/2021 से लॉकडाउन जारी है इसमें सारी दुकानें और सारे

व्यापार बंद है जहां विकलांग जनों द्वारा छोटा मोटा काम करके अपना जीवन गुजर - बसर कर रहे थे आज उनके पास राशन पानी से लेकर अन्य चीजों की दिक्कतें आना शुरू हो गई है पैसे ना होने के कारण कोई भी चीज खरीद नहीं पा रहे हैं और ना ही राशन पानी है ना गैस टंकी ना ही मिट्टी का तेल ना लकड़ी का इंतजाम है इस विपरीत परिस्थिति में श्रीमानजी सांसद महोदय से निवेदन है कि इन विकलांगों की मदद करें और इनकी आवश्यकता अनुसार, इनका सहयोग करें ताकि इनका घर परिवार भी इस बीमारी में सुरक्षित रहे और घर के अंदर सुरक्षित रहे निवेदन है कि आर्थिक मदद के साथ साथ अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराए ताकि कोई भी विकलांगजन किसी कारण बस घर से बाहर न निकल सके और घर में रहे सुरक्षित रहे।

पत्नी के ग्रह क्लेश होने के चलते पति ने फासी पर झूलकर की अपनी जीवन लीला समाप्त

उमाकान्त शर्मा की रिपोर्ट

भिंड। जानकारी अनुसार ।देहात थाना अंतर्गत । शिवाजी नगर पार्क मोहल्ला में वर्षा 2/ पंकज सिंह भदौरिया अपने रिश्तेदारो के यहां आए हुए थे। पंकज सिंह भदौरिया तहसील मेहगोंव ग्राम माडैन के निवासी है । जो कि अपनी पत्नी के साथ भिंड चार पांच दिन से आए हुए थे। जिनकी अपनी पत्नी वर्षा के साथ 17.05.2021 दरमियानी रात्रि को किसी बात को लेकर पति पत्नी में कहा सुनी हुई । जिस बात पर नाराज होकर पंकज सिंह भदौरिया ने अपने गले में फासी का फंदा लगा लिया ।शोर सरावा सुन मोहल्ले के सदस्यो ने पंकज को उतारकर जिला अस्पताल लेकर आए।जहा डॉक्टरों ने जांच कर पंकज को मृत घोषित कर दिया । पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना जारी कर दी है ।

कोविड-19 में दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों की देखभाल हमारी जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री श्री चौहान

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड के संकट काल में हमारे कर्मचारियों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन किया है। संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए जब हम लोगों से घरों में बने रहने की अपील कर रहे हैं, तब ये कर्मचारी भाई-बहन दिन-रात मैदान में अपनी जान हथेली पर रखकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इन्हीं के प्रयासों से व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से चल रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐसे में कई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएँ भी हुई हैं। काम करते हुए हमारे कई कर्मचारी भाई-बहन कोविड-19 के दौरान हमसे बिछड़ गए, उनकी जीवन लीला समाप्त हो गई। उनके परिवारों की देखभाल और उनकी चिंता करना हमारी जवाबदारी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि कर्मचारियों के कल्याण के लिए दो योजनाएँ बनाई जाएंगी। यह हैं मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना तथा मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना।

मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना-मुख्यमंत्री कोविड-19

प्रभावित परिवारों को दी जाएगी अनुकम्पा नियुक्ति और आर्थिक सहायता,प्रभावित परिवारों को दी जाएगी अनुकम्पा नियुक्ति और आर्थिक सहायता

अनुकम्पा नियुक्ति योजना में समस्त नियमित स्थाईकर्मी, कार्यभारित एवं आकस्मिकता निधि से वेतन पाने वाले, दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ, संविदा, कलेक्टर दर, आउटसोर्स के रूप में कार्यरत शासकीय सेवकों के लिए लागू की गई है। योजना के अंतर्गत इन सेवायुक्तों की कोविड संक्रमण से मृत्यु होने पर उनके परिवार के पात्र एक सदस्य को उसी प्रकार के नियोजन में अनुकम्पा नियुक्ति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि राज्य में कार्यरत समस्त, नियमित, स्थाईकर्मी, दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ, संविदा, आउटसोर्स, अन्य शासकीय सेवक/सेवायुक्तों की कोविड-19 के कारण आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके परिवार को तात्कालिक आर्थिक सहायता के रूप में 5 लाख रूपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जायेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संकट की स्थिति में यह अनुग्रह राशि उनके परिवारों का संबल बनेगी। इस योजना में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, ग्राम कोटवार इत्यादि कर्मी भी सम्मिलित होंगे।

गांव में डोर टू डोर सर्वे लोगों की जांच करें

नव चयनित ग्राम प्रधान गुडडू मिस्त्री जी की अध्यक्षता में निगरानी समिति की बैठक मऊ देहात पंचायत भवन में की गयी जिसमें एएनएम, आशा, आंगनवाड़ी, लेखपाल सचिव सभी उपस्थित रहे सभी निगरानी समिति के दायित्व सौपे गये । आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को बताया कि गांव में डोर टू डोर सर्वे लोगों की जांच करें व लोगों को किट देकर होम आइसोलेशन में करें व ग्राम पंचायत में समिति द्वारा ग्राम पंचायत में साफ़ सफाई व सैनिटाइजेशन कराने को बताया गया तथा कोरोना एंटीजन टेस्ट भी किये जायेंगे। और लोगो में कोरोना कोविड - 19 के बचाव कार्य व मास्क लगाने के लिए प्रचार प्रसार किया गया जिसमें प्रधान गुड्डू मिस्त्री, संजय वर्मा सचिव ,वीरेंद्र खरे लेखपाल, रामकुंवर आंगनवाड़ी, अनिल डेंगरे युवा समाजसेवी,नरेंद्र सिंह परिहार रोजगार सेवक, मन्नू देवी [आशा],विनीता [आशा], जुमरात बानो [आशा] परमलाल छेत्र पंचायत सदस्य, वैजनाथ सफाई कर्मी, लक्ष्मी प्रसाद सफाई कर्मी, चंद्रशेखर कोटेदार,अशोक आर्या मेंबर ,रेखा अहिरवार मेंबर राकेश मेंबर आदि मौजूद रहे।

वरिष्ठ नोडल अधिकारी ने कोविड-19 के प्रसार की रोकथाम हेतु अधिकारियों के साथ की बैठक

एटा। शासन द्वारा नामित वरिष्ठ नोडल अधिकारी प्रभात कुमार सारंगी ने मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में कोविड-19 के प्रसार की रोकथाम हेतु जनपद स्तर पर की गई व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों के साथ एक अतिआवश्यक बैठक की। ली। वरिष्ठ नोडल अधिकारी ने बैठक के दौरान जनपद में कोविड-19 संक्रमण की स्थिति, पॉजिटिविटी रेट, कोविड-19 से बचाव एवं रोकथा हेतु त्रिस्तरीय रणनीति, कोविड-19 टेस्टिंग, ट्रेस एण्ड ट्रैक, कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग, आरआरटी विजिट, मेडिसिन किट डिस्ट्रीब्यूसन, विशेष सर्विलांस अभियान, हेल्पडेस्क, निगरानी समितियां, आदि के बारे में गहनता से समीक्षा की। इसके साथ ही कलक्ट्रेट में संचालित एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर का निरीक्षण कर होम आइसोलेट मरीज, कोविड अस्पतालों में भर्ती मरीजों के बारे में जानकारी कर मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों को समुचित दिशा निर्देश दिए। डीएम डा0 विभा चहल ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी एवं शासन से निर्देश पर जनपद में 5 मई से 9 मई तक चलाए गए विशेष अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों

में 1526 सर्विलांस टीमों द्वारा 225533 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें 1264 संदिग्ध मरीज पाए गए जिनकी कोविड जांच कराने के बाद उनमें से 42 मरीज कोरोना से संक्रमित पाए गए है। जनपद में शहरी क्षेत्र में 153 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 575 निगरानी समिति कार्य कर रही है। एसएसपी उदय शंकर सिंह ने बताया कि जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में कोरोना कर्फ्यू का पालन कराया जा रहा है। इस दौरान कन्टेनमेंट जोन पर विशेष नजर रखने के साथ-साथ मास्क पहनने पर प्रमुखता से जोर दिया जा रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर अथवा घर से बाहर निकलने पर मास्क, गमछा, रूमाल, दुपट्टा न पहनने वाले से अब तक 368950 रूपये की धनराशि जुर्माना के रूप में बसूली गई। इस अवसर पर एसएसपी उदय शंकर सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व सुनील कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन विवेक कुमार मिश्र, सीएमओ डा0 उमेश कुमार त्रिपाठी, समस्त उप जिलाधिकारी, अपर उप जिलाधिकारी, डीडीओ एसएन सिंह कुशवाह, पीडीडीआरडीए निर्मल कुमार द्विवेदी, सीवीओ एसपी सिंह, डीपीआरओ आलोक कुमार प्रियदर्शी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण, चिकित्सक आदि मौजूद रहे।

भरी बरसात में राजगढ़ चौराहे पर पुलिस लगातार कर रही है चेकिंग

उप संपादक संदीप प्रधान दैनिक पुष्पांजलि टुडे समाचार की रिपोर्ट

बताया जा रहा है कि जब हमारे उप संपादक संदीप प्रधान राजगढ़ चौराहे पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि इस बारिश के मौसम में एडिशनल एसपी कमल मौर्या खुद खड़े होकर राजगढ़ चौराहे पर अनावश्यक लोग निकल रहे घर से उनको दे रहे हैं समझाइश जब हमारे उप संपादक ने एडिशनल एसपी से सवाल किया इस वक्त बारिश का मौसम उन्होंने कहा की बारिश हो चाहे हो धूप सबसे पहला काम हमारा लोगों की सुरक्षा करना और कोरोना जैसी महामारी से छुटकारा पाना।

जनपदीय पत्रकारों में आक्रोश आज डीएम को सौंपेंगे ज्ञापन

पुष्पांजली टुडे

एटा । जनपद के थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के अंतर्गत कुछ सम्मानित पत्रकार बंधुओं की फेसबुक आईडी से उनके फोटो निकालकर सोशल मीडिया पर निराधार आरोप लगाते हुए फोटो वायरल किए गए। जिसके बाद सभी पत्रकारों में आक्रोश पनप गया और इस मामले से संबंधित एक बैठक का आयोजन जिला पंचायत परिसर में स्थित हनुमान मंदिर पर किया गया। इस दौरान पत्रकार बंधुओं ने निर्णय लिया कि आज जिला अधिकारी डॉ विभा चहल अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपेंगे तथा उसके बाद अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस बैठक में सर्वसम्मति से संघर्ष समिति के अध्यक्ष बबलू चक्रवर्ती को नियुक्त किया गया। इस दौरान इस बैठक में संतोष यादव, राजीव मिश्रा, आशु पाराशर, योगेश यादव, एस के माथुर, मोहित ठाकुर, करण प्रताप, गिरधर गोपाल, वैभव पचौरी, शिवकुमार पाठक, अनुज मिश्रा, संदीप शर्मा, राहुल, पीएस राजपूत, कुलदीप यादव, चंद्रशेखर गौतम, दिनेश यादव, दिनेश शर्मा, आमिर हयात, अमित यादव, मोहम्मद तारिक सहित भारी संख्या में पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

निर्धारित रजिस्ट्रेशन तिथि पर वैक्सीन न लगने से जनता में असमंजस की स्थितिः अरविंद वशिष्ठ

झाँसी। शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में अरविंद वशिष्ठ की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से वैक्सीनेशन को लेकर चर्चा की गई। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंद वशिष्ठ ने कहा की दूसरी डोज वैक्सीन को लेकर जनता मारी मारी फिर रही है और वैक्सीनेशन सेंटर पर उसे कहा जा रहा है दूसरी डोज 90 और 84 दिन बाद लगाई जाएगी जिससे वैक्सीन का प्रभावी रिजल्ट 90 परसेंट तक मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। इससे जनता में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है ऐसा लग रहा है जैसे कि वैक्सीन की कमी की वजह से उनके टीकाकरण को टाला जा रहा हो सरकार से आग्रह है की वैक्सीनेशन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को गंभीरता से लेंऔर जनता को वास्तविक स्थिति से एक्सपर्ट डॉक्टर द्वारा अवगत कराएं कि जिन लोगों को पहली और दूसरी डोज लग गई है उनकी वास्तविक स्थिति क्या है और वैक्सीन की पहली डोज और दूसरी डोज में कितना अंतर रहना चाहिए जिससे असमंजस की स्थिति खत्म हो सके और जनता के स्वास्थ्य के साथ कोई खिलवाड़ ना हो और सही मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। उक्त अवसर पर डॉ विजय भारद्वाज, जितेंद्र भदोरिया, अनवर अली आदि ने जनता की दुविधा को देखते हुए कई लोगों से वार्ता भी की जो उक्त समस्या पर चिन्तित दिखाई दिए।

हारेगा कोरोना-जीतेगा ललितपुर ।

गांव में बढ़ने लगा संक्रमण, राहत भरी खबर ललितपुर में कोरोना के 7 मरीज निकले शहर में राहत

ग्रामीण इलाकों में अब भी निकल रहे संक्रमित मरीज, 198 डिस्चार्ज, एक्टिव मरीज 981 रिकबरी रेट 91.20 , जांच हुई 1674 रुकी जांच 1441, गांव में बढ़ने लगा संक्रमण, शहर से अधिक मिल रहे मरीज

ललितपुर। कोरोना का संक्रमण शहर की अपेक्षा गांव में पांव पसारने लगा हैं। ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में संक्रमित मिल रहे हैं। आलम हालत यह है कि बीते दो दिनों में शहर के अपेक्षा गांव में संक्रमण के मामले अधिक सामने आए हैं जैसे कि तालबेहट क्षेत्र के गॉब सुनारी में अब भी कई मरीज देखे जा सकते हैं। कुल संक्रमितों में। लगभग करीब 55 फीसदी मामले ग्रामीण क्षेत्र से सामने आए हैं। इसने महकमे के माथे पर चिंता की लकीरें ला दी हैं। हालकि मंगलवार को कोरोना ग्राफ काफी कम रहा है। राहत भरी खबर मिली है स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार जिले मे कोरोना के 7 मरीज निकले हैं। वहीं 198 डिस्चार्ज एक्टिव मरीज 981 रिकबरी रेट 91.20 आज जांच हुई 1674 रुकी जांच 1441 अभी रुकी हुई है।जिले में कोरोना संक्रमण के मामले विगत दिनों की अपेक्षा लगातार बढ़ रहे थे लेकिन दो दिन से जिले में कोरोना मरीज कम निकल रहे हैं जिससे राहत मिली है।

कोविड-19 की थर्ड वेव के दृष्टिगत बच्चों को सुरक्षित रखना प्राथमिकताः जिलामजिस्ट्रेट

झाँसी। जनपद में कोविड-19 थर्ड वेव की आशंका के दृष्टिगत संक्रमण को रोकने के लिए जिलामजिस्ट्रेट श्री आंद्रा वामसी ने विकास भवन सभागार में बाल रोग, स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा विभिन्न अस्पतालों के डॉक्टरों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर अभी से बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये, ताकि छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को संक्रमित होने से रोका जा सके। जिलामजिस्ट्रेट ने कहा कि सभी को अपने बच्चों से प्यार होता है, और बच्चों के मामले में कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है इसलिए छोटे बच्चों पर विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि यदि तीसरी लहर में कोविड-19 संक्रमण बच्चों तक पहुँचता है तो उसके नियंत्रण, बचाव हेतु ऑक्सीजन, बेड आदि की अभी से पर्याप्त संख्या में व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज सहित विभिन्न प्राइवेट अस्पतालों में कोविड-19 संक्रमित/ पॉजिटिव बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं के लिए अभी से बेड/वार्ड रिजर्व करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बाल रोग व स्त्री रोग विशेषज्ञों का अलग से एक पैनल भी बनाया जायेगा, ताकि उपचार में कोई समस्या न आये। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ नरेंद्र सिंह सेंगर ने बताया कि कोविड-19 की थर्ड वेव की आशंका के दृष्टिगत उपचार हेतु कॉलेज में बच्चों के लिए 50 बेड पीआईसीयू तथा 30 बेड गर्भवती महिलाओं के लिए रिजर्व किये जायेंगे। इसके लिए अलग से हेल्प जोन जारी किया जायेगा। विशेषज्ञों के पैनल द्वारा जल्द ही बाल रोग व स्त्री रोग विशेषज्ञों को ट्रेनिंग भी कराई जाएगी। बच्चों में कोविड-19 संक्रमण से बचाव हेतु मेडिकल कालेज के बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ ओमशंकर चौरसिया ने बताया कि स्कूल बंद होने से बच्चों की शारीरिक गतिविधियां कम हो गई हैं, जिससे बच्चों में मोटापा बढ़ रहा है जो कोविड-19 संक्रमण का रिस्क बढ़ा रहा है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि अपने बच्चों को संतुलित भोजन कराएं, जिससे मोटापे को नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने बताया कि बच्चों को सर्दी, खांसी, बुखार होने पर डॉक्टर को दिखाये। घर मे भी बच्चों को सोशल डिस्टेंस, हाथों को बार बार धोना, प्रोटीनयुक्त भोजन कराएं, मोबाइल फोन से दूरी बनाएं रखें। माताएं मास्क लगाने की आदत बनाएं, बच्चों को खाना खिलाने से पहले व बाद में हाथों को साबुन से धुलाये, ठंडा पानी, कोल्ड्रिंक, आइसक्रीम न दें, सेनेटाइजेसन आदि विभिन्न उपाय करने से बच्चों में संक्रमण का खतरा नहीं रहेगा। बैठक में सीडीओ श्री शैलेष कुमार, नगर मजिस्ट्रेट श्री सलिल पटेल, प्रिंसिपल मेडिकल कालेज डॉ नरेंद्र सिंह सेंगर, एसीएमओ डॉ सुधीर कुलश्रेष्ठ, डॉ अंशुल जैन, डॉ एनके जैन, डॉ ओमशंकर चौरसिया, डॉ आराधना कनकने, डॉ आरआर सिंह सहित बाल रोग, स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा विभिन्न प्राइवेट अस्पतालों के डॉक्टर उपस्थित रहे।

ग्राम पनारी में मिला पहला ब्लैक फंगस मरीज

झांसी में हुआ ब्लैक फंगस का पहला सफल ऑपरेशन, महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की बारह सदस्यीय टीम ने तीन घंटे के ऑपरेशन में मरीज की नाक और आंख में मौजूद फंगस को किया साफ, घर के एसी-कूलर में भी लगता है ब्लैक फंगस, कमजोर इम्यूनिटी वालों को बना सकता है शिकार

कोरोना संक्रमितों को अब ब्लैक फंगस डरा रहा है। आमतौर पर यह माना जा रहा है कि यह फंगस अस्पतालों में मिलता है। यह पूरी तरह से सच नहीं है। यह फंगस अस्पतालों के साथ घर के एसी, कूलर और गंदगी वाली जगहों पर मौजूद है। यह फंगस सिर्फ कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को अपना शिकार बना रहा है। ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. संतोष शंकर रे ने बताया कि इससे डरने की जरूरत नहीं हैं। इस फंगस से सावधान रहने की आवश्यकता है। घर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कोरोना की तरह ब्लैक फंगस एक दूसरे के स्पर्श से नहीं फैलता है। यह फंगस पहले से ही हमारे बीच हवा, मिट्टी, एसी, गंदगी वाली जगहों में मौजूद है। इस फंगस से उन लोगों को अलर्ट रहना चाहिए, जिनकी इम्युनिटी काफी कमजोर है।

समय से पता लग जाए तो इलाज संभव–डॉ. रे ने बताया कि ब्लैक फंगस के कण हवा में उड़ रहे हैं। जो हमारे नाक में चले जाते है। नाक में कुछ ऐसे सेल होते है। जो इसे नष्ट कर देते हैं। जिन लोगों की इम्यूनिटी कम होती है। उनके नाक के सेल इन्हें नष्ट नहीं कर पाते। जिसके बाद यह फंगस शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे में उन लोगों को ज्यादा खतरा होता है। जो शुगर का मरीज है। यदि समय रहते इसका पता लग जाए तो एंटी फंगस दवाओं से इसका इलाज संभव है।

बोले एक्सपर्ट–ब्लैक फंगस वातावरण में होता है। शरीर की इम्यूनिटी कमजोर होती है तो यह फंगस ज्यादा हॉवी होता है। ज्यादातर लोग घरों में ही कोरोना संक्रमण का इलाज करा रहे हैं। वह ऑक्सीजन का भी इस्तेमाल कर रहे। सही तरीके से पाइप की सफाई न होने की वजह से फंगस के सेल नाक में प्रवेश कर जाते हैं। जो कि मरीज के लिए घातक है। इसके इलाज में डॉक्टर के परामर्श की जरूरत होती है। डायबिटीज के मरीज दवा का सेवन बंद न करें। स्टेरायड डॉक्टर की सलाह पर बंद करें। समय से मरीज डॉक्टर के पास पहुंचे तो इस बीमारी से बचाया जा सकता है।

डॉ. आदित्य पाठक, ईएनटी, बीआरडी मेडिकल कालेज

ललितपुर के ग्राम पनारी में मिला पहला ब्लैक फंगस मरीज

झांसी में हुआ ब्लैक फंगस का पहला सफल ऑपरेशन, महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की बारह सदस्यीय टीम ने तीन घंटे के ऑपरेशन में मरीज की नाक और आंख में मौजूद फंगस को साफ किया

ललितपुर झांसी। ललितपुर जनपद के ग्राम पनारीमें पहला ब्लैक फंगस का मरीज मिला है जो विगत दिनों झांसीमेडिकल कालेज में भर्ती हुआ था। सोमवार को ब्लैक फंगस (म्यूकरमाइकोसिस) का पहला ऑपरेशन हुआ। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की बारह सदस्यीय टीम ने तीन घंटे के ऑपरेशन में मरीज की नाक और आंख में मौजूद फंगस को साफ किया। ऑपरेशन सफल रहा और मरीज के जल्द स्वस्थ होने की संभावना जताई जा रही है। ललितपुर के ग्राम पनारी निवासी अड़तीस वर्षीय विवेक तकरीबन डेढ़ महीने पहले कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आ गए थे। बाद में उनकी रिपोर्ट निगेटिव आ गई थी। लेकिन, पिछले कुछ दिनों से उनकी आंख में सूजन थी और दर्द हो रहा था। इलाज के लिए वे शनिवार को महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में पहुंचे थे। जांच में ब्लैक फंगस की आशंका नजर आई। इस पर उन्हें भर्ती कर लिया गया और एमआरआई जांच कराई गई, जिसमें फंगस की पुष्टि हुई। मधुमेह का स्तर बढ़ा होने की वजह से उनका तुरंत ऑपरेशन नहीं किया सका। चिकित्सकों ने पहले उनके मधुमेह को नियंत्रित किया। इसके बाद सोमवार को सुबह 11.30 बजे उन्हें ऑपरेशन थियेटर में ले जाया गया। यहां ईएनटी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जितेंद्र यादव की अगुवाई में बारह सदस्यीय टीम ने उनका ऑपरेशन किया, जो लगभग तीन घंटे तक चला। बाद में डा. जितेंद्र यादव ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान मरीज की आंख और नाक में मौजूद फंगस के शिकार हिस्सों को हटा दिया गया है। ऑपरेशन सफल रहा है। मरीज जल्द ही स्वस्थ हो जाएगा। मरीज सही समय पर अस्पताल पहुंच गया था, वरना परेशानी और भी बढ़ सकती थी।

ब्लैक फंगस के दो मरीजों की हो चुकी है मौत

झांसी। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में पिछले दिनों तीन कोरोना संक्रमितों में ब्लैक फंगस के लक्षण पाए गए थे। इनमें से बेहद कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले दो मरीजों की मौत भी हो चुकी है। ये दोनों ही मरीज वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहे थे। ब्लैक फंगस के मरीज सामने आने के बाद अस्पताल में सतर्कता बढ़ा दी गई है। कोरोना वायरस से संक्रमित मधुमेह की मरीजों की निगरानी बढ़ा दी गई है। उनका मधुमेह का स्तर नियंत्रित रहे, इसके उपाय किए जाने लगे हैं। इसके अलावा मरीजों की मुंह, आंख, नाक, कान की नियमित जांच की व्यवस्था कर दी गई है।

ये हैं लक्षण– चिकित्सकों के अनुसार म्यूकरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) अधिकतर कमजोर प्रतिरोधक क्षमता होने और मधुमेह स्तर बढ़ने पर प्रभाव डालता है। संदिग्ध मरीज की आंखों में लाली आना, सूजन, जलन और आंखों में पानी आता है। इसके बाद आंखें घूमना बंद कर देती हैं, धुंधलापन होने लगता है और आंख बाहर निकलने लगती है। लगातार अनदेखी करने पर आंखों की रोशनी भी जा सकती है। डॉक्टर बताते हैं कि गंभीर परिस्थिति में संक्रमण से प्रभावित अंग को काटना भी पड़ सकता है।

बरतें निम्न सावधानी–मधुमेह के रोगियों को इस बीमारी से ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। ऐसे में अपने मधुमेह स्तर को नियंत्रित रखें। प्रतिरोधक क्षमता को कम नहीं होने दें। पर्याप्त नींद लें। साथ ही लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेकर एमआरआई और सीटी स्कैन करवाएं।

स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रेसवार्ता

24 घंटे में ठीक हुए चार लाख से ज्यादा मरीज, तोड़े अब तक के सभी रिकॉर्ड

ललितपुर। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर का सामना कर रहे देश में महामारी की स्थिति को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को एक प्रेसवार्ता की। इस दौरान मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि देश के आठ राज्यों में एक लाख से ज्यादा संक्रमण के मामले हैं। 10 राज्यों में कोरोना के मामले 50 हजार से एक लाख के बीच हैं और 18 राज्य ऐसे हैं जहां सक्रिय मामलों की संख्या 50 हजार से कम है। पढ़िए प्रेसवार्ता के प्रमुख बिंदु। अग्रवाल ने कहा कि तीन मई को देश में कोरोना से ठीक होने की दर 81.7 फीसदी थी तो अब बढ़कर 85.6 फीसदी हो गई है। पिछले 24 घंटों में चार लाख 22 हजार 436 मरीज ठीक हुए हैं, जो कि एक दिन में अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। संयुक्त सचिव ने कहा कि कोरोना संक्रमण से ठीक होने को लेकर एक सकारात्मक रुख देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि आज देश में केस पॉजिटिविटी दर 14.10 फीसदी है। संयुक्त सचिव ने बताया कि देश में 199 जिले ऐसे हैं जहां पिछले तीन सप्ताह से नए मामलों और पॉजिटिविटी में लगातार कमी दर्ज की गई है। मंत्रालय ने कहा कि अभी तक देश की कुल आबादी का 1.8 फीसदी हिस्सा कोरोना महामारी से प्रभावित हो चुका है। हम संक्रमण के प्रसार को दो फीसदी आबादी के अंदर रोकने में सफल हुए हैं।

कोविड-19 के प्रभावी नियंत्रण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं: कमिश्नर

नोडल अधिकारी/कमिश्नर ने विकास खण्ड कार्यालय बबीना, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व सिमरिया गांव का किया औचक निरीक्षण

कोविड-19 के प्रभावी नियंत्रण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं: कमिश्नर

कमिश्नर ने निगरानी समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया तदोपरान्त,निगरानी समिति द्वारा घर घर भ्रमण, साफ सफाई, सेनेटाइजेसन के बारे में गांववासियों से वार्ता कर जानकारी ली। उन्होंने मेडिसिन किट खुलवाकर आशा व संगिनी से दवाओं की जानकारी ली।

झाँसी,ललितपुर। शासन द्वारा जनपद झाँसी/ललितपुर के लिए नामित किये गए नोडल अधिकारी/ कमिश्नर श्री सुभाष चन्द्र शर्मा ने आज बबीना विकास खण्ड कार्यालय का निरीक्षण किया और क्षेत्र में निगरानी समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बीडीओ से विस्तृत जानकारी ली। कमिश्नर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) बबीना का निरीक्षण कर प्रभारी चिकित्साधिकारी से मेडिसिन किट वितरण के बारे में विस्तार से जानकारी ली। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने बताया कि कोविड-19 के वेक्सिनेशन हेतु आर्मी पर्सन तथा आम लोगों के लिए अलग अलग व्यवस्था की गई है, जिसके तहत 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को पूर्व से पंजीकरण तथा 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को निर्धारित समय के अंतराल पर वैक्सीन का टीकाकरण कराया जा रहा है। कमिश्नर ने मेडिसिन किट वितरण कक्ष में उपस्थित स्टाफ, आशा व संगिनी से मेडिसिन किट खुलवाकर उसमें उपलब्ध दवाओं के बारे में संगिनी से जानकारी लेने पर पूर्ण संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि मेडिसिन किट वितरण में आशा व संगिनी को विस्तार से प्रशिक्षण कराएं जिससे मरीज में लक्षण के अनुसार कौन सी दवा किस समय खानी है। उन्होंने किट के साथ में एक पर्ची जिस पर दवा खाने का समय तथा मात्रा लिखी हो, रखने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन दवाओं की कमी है, उनकी पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की जाय। ग्राम पंचायत सिमरिया में मौके पर निगरानी समिति के सेक्टर मजिस्ट्रेट/नायब तहसीलदार व सदस्यों द्वारा कराये जा रहे साफ सफाई, सेनेटाइजेसन कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने गांव का भ्रमण करते हुए गांववासियों से वार्ता कर निगरानी समिति द्वारा घर घर किए जा रहे जनसम्पर्क, नालियों की नियमित साफ सफाई, सेनेटाइजेसन के संबंध में जानकारी ली। गांववासियों द्वारा बताया गया कि गाँव में निगरानी समिति के सदस्यों द्वारा कार्य किया जा रहा है। गांव में स्वास्थ्य विभाग के एलटी द्वारा आज 08 लोगों के एंटीजन टेस्टिंग की गई, जिसमें सभी की रिपोर्ट नेगेटिव पायी गयी। एलटी द्वारा खुले में बैठकर कार्य करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उपस्थित अधिकारियों को समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आशा के पास परिवारों की सूची नहीं होने पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए व्यवस्था में सुधार लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। नोडल अधिकारी/कमिश्नर द्वारा निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार देवेन्द्र प्रताप, बीडीओ गणेश कुमार वर्मा, प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ अंशुमन तिवारी, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

कोविड-19 में दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों की देखभाल हमारी जिम्मेदारीः मुख्यमंत्री श्री चौहान

भिण्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोविड के संकट काल में हमारे कर्मचारियों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्तृत्वों का निर्वहन किया है। संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए जब हम लोगों से घरों में बने रहने की अपील कर रहे हैं, तब ये कर्मचारी भाई-बहन दिन-रात मैदान में अपनी जान हथेली पर रखकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। इन्हीं के प्रयासों से व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से चल रही हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ऐसे में कई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएँ भी हुई हैं। काम करते हुए हमारे कई कर्मचारी भाई-बहन कोविड-19 के दौरान हमसे बिछड़ गए, उनकी जीवन लीला समाप्त हो गई। उनके परिवारों की देखभाल और उनकी चिंता करना हमारी जवाबदारी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि कर्मचारियों के कल्याण के लिए दो योजनाएँ बनाई जाएंगी। यह हैं मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना तथा मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना।

मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना–मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना में समस्त नियमित स्थाईकर्मी, कार्यभारित एवं आकस्मिकता निधि से वेतन पाने वाले, दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ, संविदा, कलेक्टर दर, आउटसोर्स के रूप में कार्यरत शासकीय सेवकों के लिए लागू की गई है। योजना के अंतर्गत इन सेवायुक्तों की कोविड संक्रमण से मृत्यु होने पर उनके परिवार के पात्र एक सदस्य को उसी प्रकार के नियोजन में अनुकम्पा नियुक्ति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना–मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि राज्य में कार्यरत समस्त, नियमित, स्थाईकर्मी, दैनिक वेतन भोगी, तदर्थ, संविदा, आउटसोर्स, अन्य शासकीय सेवक/सेवायुक्तों की कोविड-19 के कारण आकस्मिक मृत्यु होने पर उनके परिवार को तात्कालिक आर्थिक सहायता के रूप में 5 लाख रूपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जायेगी।

मप्र मातृत्व स्वास्थ्य हकदारी अभियान एवं जिला बाल अधिकार मंच की जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

टीकाकरण समुचित जानकारी देकर स्वैच्छिक टीकाकरण हेतु प्रेरित करें- रामजीशरण राय, मध्यान्ह भोजन व पोषण आहार की उपलब्धता नियमित सुनिश्चित हो- पुष्पा गुगौरिया

पुष्पांजली टुडे

दतिया। मप्र मातृत्व स्वास्थ्य हकदारी अभियान एवं जिला बाल अधिकार मंच की जिला स्तरीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन ऑनलाइन वेबीनार के माध्यम से किया गया। आयोजित वेविनार में अध्यक्षता समाजसेवी श्रीमती उमा नौगरैया व साहित्यकार वीरेंद्र शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से की गई। आयोजित ऑनलाइन वेबीनार में कोविड-19 के दौरान स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा की गतिविधियों पर व्यापक रूप से चर्चा की गई जिसमें बच्चों की शिक्षा पर क्या प्रभाव पड़ रहा है कोविड-19 दिशानिर्देशों का उन पर चर्चा की गई एवं मातृत्व स्वास्थ्य व पोषण की वास्तविक स्थिति पर उपस्थित सदस्यों द्वारा अपने-अपने अनुभव को व्यक्त किए गए, जिसमें लॉकडाउन कोरोना के दिशा निर्देशों व संचालित कोरोना वैक्सीनेशन के प्रभाव से गर्भवती व धात्री महिलाओं और बच्चों को मिलने वाली स्वास्थ्य एवं पोषण एवं की सेवाएं बाधित हुई है। इस पर विचार इसके अतिरिक्त बाधित हुए टीकाकरण को पुनः पूर्ण कराने के लिए जिला प्रशासन को ईमेल के माध्यम से पत्राचार कर समुचित सेवाएं व सुविधाएं उपलब्ध कराने की पहल की जाएगी। इसके साथ ही स्कूली व आंगनवाड़ी के बच्चों को मिलने वाले मध्यान भोजन व पोषण को नियमित, सुचारू कराने हेतु विभागीय अधिकारियों को ऑनलाइन पत्राचार कर सुचारू कर नियमित कराने हेतु प्रयास किए जावेंगे। इसके साथ ही बैठक में सभी उपस्थित नेटवर्क के साथियों ने तय किया कि कोरोना गाइडलाइंस के तहत सामाजिक जागरूकता की गतिविधियों को निरंतर जारी रखा जाएगा साथ ही संचालित रोको-टोको अभियान के प्रति लोगों को जागरूक कर उन्हें कोरोना टीकाकरण के संदर्भ समुचित जानकारी उपलब्ध कराकर स्वैच्छिक टीकाकरण हेतु प्रेरित किया जाएगा। ताकि ज्यादसे ज्यादा लोग टीकाकरण करा सकें। जागरूकता की गतिविधियों में को संक्रमित व्यक्ति या परिवार के साथ उचित व्यवहार करने, उनको आवश्यकतानुसार सहायता मुहैया कराने की अपील आसपास के लोगों से की जावेगी। ताकि वे आइसोलेशन व कोरंटीन में रहने वाले अपने आप को अकेला महसूस न करें। ऑनलाइन वेविनार में प्रमुख रूप से डॉ. बबीता विजपुरिया, एड. कल्पनाराजे बैस सदस्य बाल कल्याण समिति, श्रीमती दया मोर, श्रीमती प्रतिभा बुंदेला, श्रीमती रंजना भटनागर, श्रीमती पिस्ता राय, श्रीमती पुष्पा गुगोरिया, एड. कृपालसिंह बुंदेला, संजय तिवारी, लवकुश शर्मा, सरदारसिंह गुर्जर, सुबोध शर्मा, जीतेंद्र कुमार, सतीश सिहारे, अखिलेश कुमार, अविनाश शर्मा, अशोककुमार शाक्य, गणेश तिवारी, आयुष राय, सरल तलरेजा, बलवीर पांचाल, आकांक्षा लिटौरिया, दीक्षा लिटोरिया, रवि बसेड़िया, रामजीशरण राय सहित अन्य जिला स्तरीय समन्वय समिति सदस्यों ने सहभागिता की। वेविनार के अंत में समिति सुबोध शर्मा ने सभी के आभार व्यक्त किया। आगामी बैठक ऑनलाइन वेविनार के माध्यम से 30 मई 2021 को आयोजित की जावेगी। उक्त जानकारी लवकुश शर्मा ने दी।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

सम्पादकीय

न्याय का आश्वासन

भारत के लोकतंत्र को लेकर कई शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन आम तौर पर किसी संकट की घड़ी में कोई न कोई सांविधानिक संस्था जरूर सहारा बनकर खड़ी हो जाती है। भारत में इस संकट के दौर में पिछले कुछ दिनों से न्यायपालिका की अचानक सक्रियता आश्वस्त करने वाली है। सुप्रीम कोर्ट और कई हाईकोर्ट जिस तरह कोविड की स्थिति और अन्य सवालों पर भी लगातार आम नागरिकों और सांविधानिक मूल्यों के पक्ष में अन्य संस्थाओं को जवाबदेह बनाने की कोशिश कर रहे हैं, वह लोकतंत्र के लिए अच्छा है। ऐसे में, कोई आश्चर्य नहीं कि आए दिन अदालतों की कार्रवाई या उनके फैसले सुर्खियों में बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की एक याचिका पर जो ताजा फैसला सुनाया है, वह भी कई तरह से महत्वपूर्ण है। मद्रास हाईकोर्ट ने कुछ दिनों पहले विधानसभा चुनाव के नतीजे आने पर विजय जुलूस निकालने पर रोक लगाने के लिए एक याचिका की सुनवाई की थी। इस सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कोरोना के मद्देनजर चुनाव प्रचार में भारी भीड़ को लेकर चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना की। हाईकोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि चुनाव आयोग के खिलाफ क्यों न हत्या का मुकदमा चलाया जाए। चुनाव आयोग ने इस टिप्पणी को हटाने और मीडिया में इसे छापे जाने पर रोक के लिए हाईकोर्ट से आग्रह किया, लेकिन हाईकोर्ट ने यह आग्रह ठुकरा दिया। तब इस मामले को लेकर आयोग ने सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने फैसले में इस टिप्पणी को हटाने या मीडिया में इसे छापने पर रोक लगाने से मना किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट और चुनाव आयोग, दोनों ही सांविधानिक संस्थाएं हैं। हाईकोर्ट अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन ऐसी तल्ख भाषा न इस्तेमाल की जाए, तो अच्छा। फिर भी सुप्रीम कोर्ट का यह कहना है कि यह टिप्पणी चलते-चलते की गई है, इसे फैसले का हिस्सा नहीं बनाया गया है, इसलिए इसे हटाने का कोई मतलब नहीं है। इसी तरह, मीडिया जब अदालत की कार्रवाई रिपोर्ट करता है, तो वह एक महत्वपूर्ण काम कर रहा होता है, इसलिए उसे रोका नहीं जाना चाहिए। आजकल यह प्रवृत्ति कई सरकारी, गैर-सरकारी संस्थाओं में देखी जा रही है कि वे अपनी आलोचना के प्रति कुछ ज्यादा संवेदनशील हो रही हैं, अक्सर अपनी आलोचना के खिलाफ या मीडिया में रिपोर्टिंग पर रोक लगवाने के लिए अदालत चली जाती हैं। ऐसी संस्थाओं के लिए इस फैसले में काफी सबक हैं कि अपनी आलोचना के प्रति कैसा रवैया अपनाया जाए। एक तो यह स्वीकार करना जरूरी है कि लोकतंत्र में अगर आप सार्वजनिक जीवन में हैं, तो आपकी आलोचना होगी, और उससे कोई पहाड़ नहीं टूटने वाला। जैसे कि इस फैसले में कहा गया कि ऐसी टिप्पणियों से या मीडिया में इस बात के छपने से चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की विश्वसनीयता तय नहीं होती। पिछले दिनों चुनाव आयोग की बहुत आलोचना होती रही है और हाईकोर्ट की टिप्पणी भी उसकी ही कड़ी है। हो सकता है, चुनाव आयोग पर लगने वाले सारे आरोप सही नहीं हों, लेकिन आयोग के लिए सिर्फ विश्वसनीय होना ही नहीं, लोगों की नजर में दिखना भी जरूरी है। दुर्योग से चुनाव आयोग काफी हद तक इस कसौटी पर खरा नहीं उतरा है। यह पूरा मामला उसे आत्मनिरीक्षण करने के लिए एक मौका देता है।

क्या इजराइल से सबक लेते हुए विपक्ष को अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर सत्ताधारी पक्ष के साथ राष्ट्र भावना में नियत होकर खड़े रहना चाहिए ?

लेखन/ भीष्मा भदौरिया/ सच का आईना

भारत देश से अनेक विविधता में एकता लिए हुए सदैव अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी समस्याओं को हल करने का प्रयास करता रहा है। यही कारण है कि धीमी गति चलते हुए 74 साल में उसने अपनी विश्व स्तर पर एक शांति एवं सद्भावना बाली सोच को विकसित किया है। इसी सोच की वजह से भारत ने अपने पड़ोसी देशों से मधुर संबंध बनाने की प्रयास किए, चाहे उसमें पाकिस्तान हो, चीन, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, बर्मा इत्यादि। लेकिन पड़ोसी देशों ने भारत की इस सोच का सदैव उल्लंघन किया है। भारत देश आज भी स्वतंत्रता इतने लंबे समय बाद भी अपने पड़ोसी राष्ट्रों से अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर संघर्ष कर रहा है। यही कारण है ,भारत देश को विश्व स्तर पर जो उन्नति करना चाहिए थी। वह विकास आज भी इस संस्कृति में प्रवेश नहीं कर पाया हैं। कहीं ना कहीं इस स्थिति का जिम्मेदार विपक्ष रहा है। क्योंकि जब जब अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विपक्ष के सहयोग की आवश्यकता पड़ी है। तब तब विपक्ष सदैव सत्ताधारी के विरोध में खड़ा हो जाता है। ऐसी अनेक समस्याएं खड़ी कर देता है। जिससे चाह कर भी सत्ताधारी सरकार अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने आप को सफल नहीं कर पाती है। यह विडंबना ही है, जब जब भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को समाधान करने का प्रयास किया है, तब कहीं ना कहीं विपक्ष ने सत्ताधारी पार्टी को चारों ओर से घेरने का प्रयास किया है ।चाहे पड़ोसी देशों से युद्ध की समस्या, अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी बात को रखना या फिर कोविड-19 जैसी विश्वव्यापी महामारी हो। आंतरिक मुद्दे प्रत्येक राष्ट्र में होते हैं। उनको एक सार्थक विचारधारा के साथ समाधान करने का प्रयास किया जाता है। क्योंकि जब कोई राष्ट्र आपसी मतभेद हो से नहीं निकल पाएगा तो निश्चित ही वह विश्व स्तर पर अपने आप को राजनीति रूप से, आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक परिपेक्ष में मजबूत आधारशिला नहीं रख पाएगा। स्वतंत्रता के इतने लंबे समय पश्चात भी भारत विकसित देशों में अपनी गिनती नहीं कर पाया। यह समस्या भारत राष्ट्र में आज से नहीं चली आ रही है। अगर प्राचीन समय का ध्यान करें तो बाहरी देशों के आक्रमणके समय भी ,यहां बाहरी लोग सफल हो गए ।उन्होंने भारत

की राजनीति एकजुटता ना होने का फायदा उठाया और निरंतर भारत देश का शोषण करते रहे ।यह शोषण एक लंबे समय तक निरंतर चलता रहा । लेकिन भारत की शुरुआती राजनीति में थोड़ा बहुत परिवर्तन सा दिखाई दिया। यह बदलाव लाने वाले %माननीय स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेई जी ÷थे ।जिन्होंने प्रत्येक मुद्दे पर विपक्ष को अपनी सहमति प्रदान की। यह सोच देख कर ऐसा लगने लगा था कि सफल राजनीति का उन्होंन उदय कर दिया है। लेकिन वर्तमान राजनीति को देखकर ऐसा महसूस होने लगा है । राजनीत स्वयं मुद्दों के लिए की जा रही है ना कि देश के लिए। उदाहरण के तौर पर भारत के साथ-साथ ऐसे अनेक देश स्वतंत्र हुए थे। जिनमें क्रमशः चीन, सऊदी अरब के बहुत से देश, इजरायल, फिलिस्तीन अन्य। विश्व स्तर पर अपनी एक मजबूत एवं स्थाई पहचान को काम किया है। वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए भारतीय राजनीति में अब समय आ गया है। जब परिवर्तन की आवश्यकता महसूस की जाने लगी। जैसा कि दिखाई दे रहा है आज जिस स्तर पर चौतरफा युद्ध के बादल मंडरा रहा है। इसी क्रम में में आगे चलते हुए इजरायल जैसे छोटे राष्ट्र की कूटनीति अपनाना चाहिए ।क्योंकि जब भारत देश स्वतंत्र हुआ था। उसी समय इजराइल भी अस्तित्व में आया था। स्वतंत्र होने के तुरंत पश्चात इजराइल ने अरब देशों से सब प्रथम युद्ध किया। जोकि 1949 एवं दूसरा युद्ध 1967, जिसमें फिलिस्तीन की तरफ से सीरिया, लीबिया, ईरान, इराक, सूडान इत्यादि मुस्लिम देश थे। उसके पश्चात भी इजरायल ने मात्र छे दिनों में जीत लिया। इसके पीछे कहीं ना कहीं इजरायल के पक्ष और विपक्ष कि जो एकता दिखाई दी। वह निश्चित राष्ट्रव्यापी थी इसी कूटनीति के कारण विश्व स्तर पर अपनी आधारशिला रखने में स्तर हुए। अतः इजरायल वर्तमान में विश्व के शक्तिशाली देशों में गिना जाता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भारतीय विपक्ष को सदैव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सत्ताधारी पार्टी के सहयोग के लिए तत्पर खड़े रहना चाहिए, ना कि विरोधाभास में क्योंकि जब स्वयं आपके घर में आपकी विचारधारा का विरोध होने लगेगा तो विकास एवं शक्तिशाली विचारधारा कभी विकसित नहीं हो सकती हैं ।इसलिए आओ सभी मिलकर भारतीय विचारधारा को विश्व स्तर पर मजबूत करने के लिए क्रमबद्ध तरीके से एक दूसरे का सहयोग करते हैं, तो निश्चित रूप से इस तपोभूमि पर एक नव रोशनी का उदय होगा। जिस में आने वाले पीढ़ियां अपने आप को सुगम महसूस करने लगेंगी।

पत्रकार/ भीष्म भदौरिया

बंगाल में हिंसा

पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजे आने के तुरंत बाद जो हिंसा भड़क उठी, वह निश्चय ही चिंताजनक है और उसे रोका जाना चाहिए था। इस हिंसा में 12 लोगों की जान गई है, जिनमें से ज्यादा भाजपा समर्थक हैं। हालांकि, अन्य पार्टियों के लोग भी मारे गए हैं। जाहिर है, ऐसी हिंसा के शिकार पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता और पैदल सिपाही ही होते हैं, क्योंकि वे सबसे ज्यादा असुरक्षित होते हैं। हर पार्टी के बड़े नेता अपने लिए तो मजबूत सुरक्षा का इंतजाम कर लेते हैं, हालांकि, हिंसा भड़काने या उसका माहौल तैयार करने में उनकी बड़ी भूमिका होती है। इन चुनावों के बाद हिंसा होना बहुत तय माना जा रहा था, क्योंकि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का रक्तरंजित इतिहास है और ये चुनाव जितने आक्रामक और जहरीले माहौल में लड़े गए थे, उनसे इस हिंसा के लिए मजबूत नींव तैयार हो गई थी। चुनाव में दोनों पक्षों की ओर से जैसी तीखी और हिंसक भाषा का प्रयोग किया गया, उससे पक्का हो गया था कि यह हिंसा देर-सवेर व्यावहारिक स्तर पर भी प्रकट होगी। चुनावों के पहले भी हिंसा कम नहीं हुई है, जिसमें तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के कई कार्यकर्ता जान गंवा बैठे या जख्मी हुए। कांग्रेस या वाम दलों की उपस्थिति चूंकि कमजोर थी, इसलिए इस हिंसा में उनकी हिस्सेदारी भी कम थी। चुनावों के दौरान चूंकि प्रशासन चुनाव आयोग के पास था और केंद्रीय बलों की भी मौजूदगी थी, इसलिए हिंसा बहुत कम हुई, लेकिन जैसे ही नतीजे आए, हिंसा भड़क उठी। लेकिन ममता बनर्जी का यह तर्क सही नहीं है कि इस हिंसा को रोकने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की थी, क्योंकि जब चुनाव नतीजे आ जाते हैं और यह तय हो जाता है कि सत्ता किसे मिलने वाली है, तब प्रशासन भी यह समझ लेता है कि अब उसका स्वामी कौन है, और किसकी बात सुननी है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नक्सलबाड़ी आंदोलन और उसे कुचलने के दौर से जुड़ा है।

सेवा के दावे पर कितना भरोसा

कोरोना के दूसरे भयावह दौर में राजनीति में अभी चिट्ठियों का दौर चल रहा है, 'लेटर बम' भेजे जा रहे हैं। इंटरनेट, वाट्सएप, ट्विटर और इंस्टाग्राम के साथ मोबाइल फोन के जमाने में जब चिट्ठियां लिखना दूर की बात हो गई, तब राजनीतिक दलों को यह सबसे ताकतवर हथियार लग रहा है। राजनीतिक दल अपने विरोधी नेता को चिट्ठी लिख रहे हैं। चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत देश के 12 विपक्षी दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी है और नौ सुझाव दिए हैं। उसमें बात सिर्फ कोरोना की नहीं है, कुछ और भी राजनीतिक सुझाव है। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखी, तो उसका कड़ा-सा जवाब स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्द्धन ने भेजा, फिर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लंबी चिट्ठी लिखी, तो उससे भी लंबा जवाब भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भेज दिया। उत्तर प्रदेश में मंत्री और एमएलए मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिख रहे हैं। देश में कोरोना की इस दूसरी लहर में हरेक दिन करीब चार लाख नए संक्रमित मरीज मिल रहे हैं और करीब चार हजार लोगों की रोजाना मौत हो रही है। यह तो सरकारी आंकड़ा है, अनुमान इससे कई गुना ज्यादा मौत होने का है, वरना गंगा, यमुना और दूसरी नदियों में लाशें बहती न दिखतीं और न ही श्मशानों व कब्रिस्तानों में मुर्दों के लिए जगह कम पड़ती। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में सरकारों से सवाल पूछना जरूरी है और विपक्ष में बैठे राजनीतिक दलों के लिए यह सबसे मजबूत हथियार है। सवाल है, क्या सबसे जरूरी काम इस वक्त सवाल पूछना भर है और वह भी तब, जब एक राज्य में कोई पार्टी सरकार में है, तो दूसरी विपक्ष में और हर जगह हाल यही है कि अपने गिरेबान में झांकने के बजाय हर कोई दूसरे पर अंगुली उठा रहा है।

एक खत पति के नाम

जो किये थे तुमने वादे उन्हें जरूर निभाना
कठिन है ये रास्ते तुम ना साथ छोड़ना..
संजोये है कई सपने
पूरा तुम उन्हें करना
मोती की तरह पिरोये कंई रिश्ते
टूटे ना इनकी डोर...
कीमती है तुम्हारा समय
इसे मत गंवाना
मेरे लिये भी थोड़ा सा बचाना..
बहुत प्यार से बनाती हूं खाना
इसे हमेशा समय से खाना..
थकी हारी कभी कुछ बोल दूं
तो दोस्त समझ कर माफ करना
पौरूषत्व मत दिखाना..
तुम्हारे घर को अपना घर बनाने आई हूँ मैं
पत्नी धर्म निभाने आई हूँ..
छोड़ी है मैने बाबूल की गलियां
सौंपा है अब तुम्हे वो आंगन
तुम पति धर्म निभाना
मेरे मायके को अपनाना।।
अच्छे बेटे हो तुम
अच्छे पति भी तुम बनना
साड़ी के पैसे तो नही मांगूगी तुमसे
पर बाजार ले जाने में

आनाकानी तुम ना करना।।
पत्नी ने तो चाही है
बस थोड़ी सी इज्जत
प्यार के दो बोल
क्योंकि
ये जिंदगी है बड़ी अनमोल...

गुंजन स्वामी
कनिष्ठ सहायक
महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय
बीकानेर

लड़कियों को तहजीब सीखाएं: मायके पक्ष

हमारे सनातन धर्म में कहा गया है लड़की का सुहागन होना और ससुराल में होना शुभ है ,और संस्कारिक मर्यादा भी।लेकिन आज कल के मॉम डैड ने इसे वर्बाद कर रखा है।सबसे ज्यादा विकट स्थिति का माध्यम फोन का घंटो तक आदान प्रदान होना।जिस किसी घर में ऐसी बीमारी लगी है वह घर रिश्ते की लिहाज से दम तोड़ चुके हैं । जबसे यह आधुनिक फोन का प्रचलन बढा है मायके का हस्तक्षेप बढता गया है। जिसे कोई खुद्दार पति शायद बर्दाश्त नहीं करता और यही सम्बन्धों की एक दीवार खड़ी करती है जो आये दिन अदालतें थाने और विभिन्न आयोग के बढ़ती फाइलों में दम तोड़ रही है। प्राचीन काल में ऐसा बिल्कुल नहीं था रिश्तों की एक बुनियाद होती थी ।मायके पक्ष कभी भी नादानी या ओछी बात नही करते थे बल्कि अपने बच्ची को समझाते थे ।जिससे रिश्ता प्रगाढ और निरंतर बना रहता था।जब कोई खास आयोजन में उनसे राय मांगी जाती थी तो वे मशवरा देते थे आज बिल्कुल अलग है ।आज दाल में नमक अधिक हो गया अगर पति ने डांट दी तो पति को डाटने के लिए प्रोग्राम बनाया जाता है जिसका माध्यम भी मोबाइल ही है जबकि पहले लोग हंसकर उड़ा डालते थे। यही फर्क है आज के इस नयी पीढी में जिसकी वजह से नौबत तालाक तक पहुंच जाती है।घरेलू हिंसा और प्रताड़ना की सारे हदें पार कर चुका यह समाज अब पतन की कगार पर खड़ा है जिसकी वजह है एकल मानसिकता से ग्रसित लडकियां शादी के बाद सिर्फ एकल परिवार को बढावा दे रही है। ऐसा नही कि एकल होने के बाद यह सिलसिला समाप्त हो जाता है अपितु बढ़ जाता है।कई पुरूष चुपचाप सहकर जीवन निर्वाह कर लेते है तो कई डिप्रेशन के शिकार हो जाते है।क्योंकि कलह की निरंतरता बनी रहती है।आज अदालतों में सबसे ज्यादा मुकदमे तालाक के है,महिला थाना में परिवारवाद की केस की संख्या इतनी ज्यादा है कि नम्बर आने में महीनो लग जाते है।महिला आयोग मानवाधिकार आयोग में भी प्रायः यही स्थिति है। अब सवाल उठता है ऐसा क्यों है ऐसा इसलिए है क्योंकि एको अहम द्वितीयो नाश्ती। की मानसिकता जब पनपने लगती है तो सामने वाला बडा हो बुजुर्ग हो अथवा गेस्ट हो आप तरजीह नही देते और अपनी बात को सबसे उपर रखते है ।आप समझने की कोशिश नही करते कि आपकी बच्ची सही है या दामाद आप सिर्फ और सिर्फ अपनी एको हम द्वितीयो नाश्ती की परिभाषा को परिभाषित करते है जिससे सम्बन्ध विच्छेद होता है। युग कितना भी बदल जाय पर संस्कार तो घर और परिवार ही देता है और जब एकल परिवार ही रहेगा तो संस्कार कहां से आएगा ।यह आज की वास्तविकता है जिसे स्वीकार करना होगा।रिश्ते करने से पहले यह एक आवश्यक पहलू है जिसे हरकोई देखता है। मायके का बढ़ता प्रचलन विगत दशको से खूब फल फूल रहा जरूरत से ज्यादा उनकी भागीदारी ससुराल पक्ष में भी कटुता पैदा करता है ।यह

भी घरेलू हिंसा का एक कारण है।कारण अनेको हैं जिसे समझने की जरूरत है। देखा जाय तो संयुक्त परिवार का विधटन ऐसे तमाम परेशानियों को जन्म दे गया जो आज समाज में अभिशाप बना हुआ है। हमारे हिन्दु समाज में तालाक महिला थाना या महिला आयोग नही हुआ करती थी । इन सभी चीजो को बढ़ती घटनाओ को देखकर समयानुसार बनाया गया है।अलग कानून बनाकर महिला को सशक्त किया गया है ।लेकिन ऐसी सशक्तिकरण का क्या जहां पुरूष प्रताडित होते रहे। आज महिला प्रताड़ना से ज्यादा पुरूष प्रताडित किए जाते है ।पुरूष की हालत ऐसी है कि वह चाहकर भी अपनी बात किसी से नही करता जबकि हकीकत तो सभी जानते हैं ।आखिर सरकार द्वारा बनाये गये कानून का कोई सदुपयोग करे यह सुनिश्चित भी तो नही क्योंकि शातिर दिमाग दुरूपयोग की ज्यादा सोच रखता है। आज ऐसे करोडो पुरूष है जो किसी न किसी रूप से अपनी पत्नी अथवा किसी महिला द्वारा प्रताडित है। क्या सरकार पुरूष आयोग बनाएगी ? वैसे कईयों को महिला कानून के गलत इस्तेमाल पर दंड भी दिया गया है लेकिन इसकी तादाद कम है।इसलिए मां बाप लड़कियों को मन विषैला करने के वजाय ससुराल में रहने का तरीका सीखाना चाहिए।तभी इन अदालतों का बोझ कम हो सकेगा।

आशुतोष, पटना बिहार

कोरोना-एक सबक एक सीख

कोरोना हमको डराता बहुत है,
जिंदगी की जंग में कमजोर को हराता बहुत है।।
शुगर, बीपी, बुढ़ापा, निमोनिया, कोसाथ लेकर लगाता है दांव।
अगर चूक गए तो फेफड़ों में करता है घाव।।
सर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार के साथ सताता बहुत है।।
कोरोना हमको डराता...।।1।।
डर गया सो मर गया%वरना कोरोना मारता कहाँ है।आपदा में अवसर ,विपत्ति में निदान,मनुष्य तलाशता कहाँ है।

मृग मारीचिका बनके मनुष्य भटकता कहाँ कहाँ है।जबकि विज्ञान का ज्ञान और मनोबल का भान जताता बहुत है।
कोरोना हमको डराता....।।2।।
युद्ध संख्याबल से नही आत्मबल से जीते जाते हैं।
रामायण और महाभारत हमको यही सिखाते हैं।कोरोना एक अदृश्य बीमारी है।
जिस पर मन और आत्मा भारी है।
मन के हारे हार है मन के जीते जीत इसकी दवा न्यारी है।
मनोबल और आत्मबल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता बहुत है।
कोरोना हमको डराता......................।।3।।
पर्यावरण सुधार, रहन सहन नियमित दिनचर्या।
योग ध्यान व्यायाम है कोरोना की पाठ्यचर्या।
उक्त पाठ्यक्रम पूरा करके हमें युद्ध पर जाना है। सामाजिक दूरी,सेनेटाइजर, मास्क लगाकर लड़ते जाना है।
वैज्ञानिक तकनीक, दवा और टीका से बंधी है आस।
कोरोना को अब हराएंगे मन मे है विश्वास।
कोरोना सामाजिक सरोकार बन,
आपदा में अवसर तलाशता बहुत है।
कोरोना हमको सिखाता बहुत है।।
कोरोना हमको।।4।।
प्रमाणित किया जाता है कि, यह मेरी मूल रचना है।

मुल्क मंजरी
भगवत पटेल, जालौन उत्तर प्रदेश

अक्सर कहानियां हमें एक खूबसूरत हकीकत से जोड़ देती हैं

आसान होता है वो देखना जो लोग हमें दिखा रहे हैं,पर बहुत खूबसूरत होता है वो देखना और महसूस करना जो ईश्वर और हमारा अंतर्मन हमें दिखाता है। कितनी दिलचस्प बात है कि नकारात्मक माहौल में भी हमें हमारी सकारात्मक सोच गिरने और टूटने नहीं देती, बार-बार आकर कहती है तुम जीतने के लिए बनी हो, कैसे हार सकती हो। हम अक्सर सोचते हैं कि परेशानियां क्यों आती हैं? हमें दुख क्यों दिया जाता है? पर सच्चाई तो यही है कि हम इन परेशानियों से कई गुना बड़े हैं हमारी सोच,हमारा विवेक और हमारी हिम्मत इनके आगे तो परेशानियों का पूरा खानदान ही कमजोर पड़ जाये। मुस्कुराते रहिए, क्योंकि मुस्कान में **गजब की ताकत होती है,।**

अंकिता जैन अवनी
लेखिका/कवयित्री
अशोकनगर मप्र

ज़िंदगी सिर्फ़ मखमली बिस्तर सी मुलायम नहीं, खुरदुरी कंटीली राह सी कठोर भी है

जन्म से मृत्यु तक के सफ़र में हर इंसान के जीवन सफ़र में एक छोटा सा कालखंड दुःख, उद्वेग, निराशा या एकलता का आता है। जब निराशावादी खयालों का हमला दिमाग पर होता है तब सबको यही लगता है की मुझसे ज़्यादा दुःखी संसार में कोई नहीं। खुद को अशक्त और दुःखी आत्मा के पहले पायदान पर खड़ा कर लेते है। अपने से नीचे देखें तो पता चले की दुनिया में मेला लगा है दुखी इंसानों का, अपने ही मन के दृग में पाल लेते है हम भ्रम का शामियाना दुःखों के मानसिक खड़े किए हुए किल्ले में कैद कर लेते है। दुःख और एकांत कोई अनूठी या खास बात नहीं ज़िंदगी का हिस्सा है। तो सुख-दुःख को साथ लेकर जिएँगे तभी हर क्षण को आत्मसात करते आगे बढ़ पाएँगे। समय और संसार अपनी गति से चलता है, वेदना की शर्तों पर हमें जीना है, ज़िंदगी की हर शर्त के आधीन है हम शिकायतों के हकदार नहीं। दुःख को गर्वित मत होने दो, सुख के लिए मन, दिमाग और दिल में एक कोना हंमेशा खाली रखो। निर्मोही नहीं आसक्त बनें रहो अपने पृथक की वैधता मिलेगी। ज़िंदगी के प्रति संमोहन सकारात्मकता का सर्वांगी विकास है। मन का सुखी सुख और मन का दुःखी दुख में ही जीता है। कायनात की हर शै से ऊर्जा और सुख की अनुगूँज उठती है उस स्वाति बिंदु से नहला दो अपने नकारात्मक प्रभाव को भीतरी झंझा को विग्रह में बाँट दो। अपरिहार्य आदतों से आहिस्ता-आहिस्ता निजात पाते सुलह कर लो दर्द सहने की शक्ति को चक्रपाण के हाथों सौंप कर नैराश्य से उभर जाओ। जब अगले पल क्या होने वाला है इस बात की खबर नहीं तो वर्तमान को खराब क्यूँ करना। खुद के वजूद को अग्रिमता से नवाजते तय कर लो अपने सुख की परिधि, खुद के ही भीतर समुन्दर बहता है खुशियों का, सुख का, आनंद का। तमाम पवित्र पुस्तकें पढ लो गुरुकुलों गिरी कन्दराओं और बोधिवृक्षों की ख़ाक छान लो, शांति अपने भीतर ही मिलेगी। रक्तपात मचाती इस दुनिया में बुद्ध हो जाने के लिए इंसान को चाहिए बस पेट भरने के लिए दो रोटी और अंजुरी भर पानी, क्या इतना जुगाड़ करना मुश्किल है जो मन की अटारी पर दुःख का जजीरा पाल लेते है हम। दुखों की निहारिकाएँ तमस की और खिंचेगी पर सुख की मानसिक सकारात्मक कल्पनाओं का एक चाँद ज़िंदगी का प्रति पल रोशन करेगा।

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)ग्रभावु।

जब भी कयामत होती है

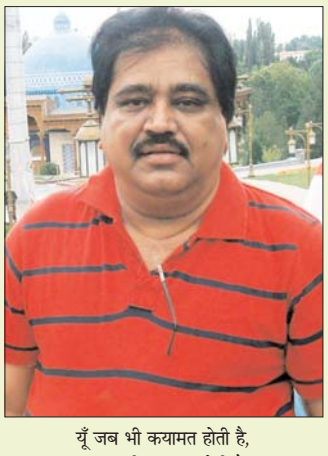

यूँ जब भी कयामत होती है,
मुझ पर ही कयामत होती है।
जख्म खुले मत रखना,मेरे दोस्त
यहां नमक की बरसात होती है।
कायरता, नपुंशकता नही तो क्या,
नोच कर नारी देह जलाई जाती है।
कैसी नरपिशाचों की पाशविकता है
अश्मिता नारी की लजाई जाती है।
चलो चले जहां केवल दरिंदगी न हो,
जगह इस देश मे कहा पाई जाती है।
हाय अबला,तेरा तमस में चित्कार, क्रंदन,
खुद से लोगों,नजरें कैसे मिलाई जाती है।

संजीव
अंतरराष्ट्रीय कवि यपुर

तलाश किसका

मन मे बस एक बैचैनी तलाश है कुछ अनजाने ख्वाव।
हसरत मन की हिलोरे ले रहे ढूंढ़ रहे कुछ नई ख्वाव।।
चाहत की सीमा अपरिमित उसको है बांधने का ख्वाव।
चाहत के बस इसी चाह में तलाश है कुछ अच्छे ख्वाव।।
गगन नील में उड़ने का बांधा है एक बड़ा ख्वाव।
ऊँचाई का भान हमें है फिर भी पूरा करना ख्वाव।।
तलाश अब जन मानुष में सद्भाव का जगे जो ख्वाव।
आपसी भाईचारे से सशक्त समाज का गढ़े जो ख्वाव।।
तलाश पूरा हो इस समाज का समाजिकता का भरकर ख्वाव।
एक डोर में बंधकर ही समाजिकता का भरे जो ख्वाव।।
तलाश अब फिर से ही युग पुरुष के आने का ख्वाव।
देश और समाज का पूर्ण करें जो अधूरे ख्वाव।।
तलाश अब अच्छी सोचों का जो पूरा करे विकास का ख्वाव।
जिनके नेक विचारों से भारत के प्रगति का हो पूरा ख्वाव।।
तलाश खत्म कब किसकी होती सबके अंदर जो भरें हैं ख्वाव।
कभी सच्ची तो कभी झूठी बन मानव में जो भरते ख्वाव।।
तलाश पूर्ण हो अब मानुष का मत देखें अटपटे ख्वाव।
संतोष पिटारा हाथ लिए बस पूरा करें जीवन के ख्वाव।।

श्री कमलेश झा
राजधानी दिल्ली

कोरोना काल में बेजान हाथों की देखभाल

शहनाज़ हुसैन

कोरोना वायरस की महामारी से दुनिया भर में लोग डर के साये में जी रहे हैं। लोग मजबूरन वायरस के साथ जिन्दगी जीने के आदी बनते जा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के वैक्सीन ढूंढ़ने के अबतक के प्रयासों में मिली निराशा के बीच मास्क, फेस कवर, सोशल डिस्टैन्सिंग तथा हाथ धोने को ही इस बीमारी की रोकथाम का कारगर उपाय माना जा रहा है। एक्सपर्ट्स, डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों ने बार-बार हाथों को बीस मिनट तक गुनगुने पानी/ साबुन से धोने की सलाह दी है। ऐसे में कुछ बड़ी कम्पनियाँ हैंड सैनिटाईज़र, एंटी वायरल हैंडवाश, एन्टी माइक्रो बायल्स आदि उत्पादों के प्रचार करने पर जुटी हैं ताकि इस महामारी में भी मुनाफा कमाया जा सके। स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि कोरोना वायरस के केमिकल मेकअप को खतम करने का सबसे प्रभावी और आसान तरीका साबुन और गर्म पानी से हाथ धोना ही है क्योंकि इससे वायरस के ऊपर चढ़ा लिपिड का आवरण हट जाता है और वायरस निष्क्रिय हो जाता है। साबुन और पानी से वायरस का बाहरी खोल घुल जाता है जिससे वायरस की कापियां बनाने वाले अनुवंशिक पदार्थ को निष्क्रिय कर बहा देता है। डॉक्टरों की मानें तो आप हैंड सैनिटाईज़र, एंटी वायरल हैंडवाश, एन्टी माइक्रो बायल्स आदि का उपयोग सफर के दौरान या वहां कर सकते हैं जहां साबुन/पानी की उपलब्धता नहीं है।

अब जबकि हाथ धोने को बीमारी रोकने का मूलमंत्र माना जा रहा है तो ऐसे में सवाल उठता है कि बार-बार साबुन से हाथ धोने से हाथ की बाहरी संवेदनशील त्वचा में जलन, खुजली, सूखापन, एक्जिमा, डर्मेटाइटिस आदि बीमारियों को कैसे रोका जाये। मेरा मानना है कि साबुन, केमिकल, डिटर्जेंट और अल्कोहल आधारित सेनिटाईज़र का हाथों पर बार-बार प्रयोग से एपिड मिर्स की ऊपरी त्वचा में प्रोटीन को नुकसान पहुंचेगा जिससे हाथ लाल, खुरदरे, सूखे, बेजान और मुरझाये दिखने लगते हैं। इनके ज्यादा प्रयोग से आपके हाथों में कट लग सकते हैं, जिससे बैक्टीरिया हमारी त्वचा में प्रवेश कर सकता है, जिससे 'एक्जिमा' जैसे रोग घर कर सकते हैं। आपके हाथों में झुनझुनी का अहसास हो सकता है और त्वचा फफोलेदार और पीड़ादायक हो सकती है। वास्तव में हाथों की पिछली ओर की त्वचा काफी पतली होती है तथा इसमें तैलीय ग्रन्थियों की कमी रहती है, जिसकी वजह से हाथों में झुर्रियां पड़ जाती हैं। बार-बार साबुन से हाथ धोने से नाखून भी शुष्क होकर भुरभुरे हो जाते हैं। हमारी त्वचा की बाहरी परत वॉटरप्रूफ बैरियर की तरह काम करती है। यह परत समतल कोशिकाओं से बनी होती है जो त्वचा की सामान्य नमी को बनाए रखते हुए त्वचा की बाहरी पदार्थों से रक्षा प्रदान करती है। जब हम हाथों को साबुन के झाग से बार-बार धोते हैं तो यह प्राकृतिक बैरियर टूट जाता है तथा हाथों की त्वचा को नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है तथा ऐसे में हाथों की त्वचा की रक्षा करना अनिवार्य हो जाता है।

सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि हाथ धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह सूखने दें तथा हाथ सूखने के बाद ही हैंड क्रीम लगाएं। हाथों के अच्छी तरह सूखने से बैक्टीरिया और वायरस दोनों मर जाते हैं जबकि गीली त्वचा से इनके फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा सिंगल यूज़ नैपकिन का प्रयोग करें क्योंकि एक ही कपड़े से बार-बार हाथ पोंछने से बैक्टीरिया के फैलने का खतरा बढ़ सकता है। हाथ सूखने के बाद त्वचा पर जैल या खुशबू रहित हैंड क्रीम उपयोग में लाएं या मॉइस्चराइजिंग मास्क भी अप्लाई कर सकते हैं। सबसे पहले सुबह के स्नान के समय हाथों को आर्यल तथा माईस्चराईज करने से शुरुआत करनी चाहिए।

कुछ घरेलू नुस्खे

- कच्चे दूध की मालिश हाथों को कोमल बनाये रखने में काफी मददगार साबित होती है। कच्चे दूध को निकालकर फ्रिज में रख लीजिये और जब भी समय मिले, हाथों-पांवों पर मलकर धीरे-धीरे मालिश करें। इससे त्वचा मुलायम होगी तथा त्वचा पर जमी मैल, गन्दगी दूर होगी। आप इस प्रक्रिया को रोजाना दोहरा सकते हैं या 1-2 दिन के अंतराल के बाद उपयोग कर सकते हैं।
- स्नान से पहले हाथों पर गुनगुना तेल लगाकर हाथों पर अच्छी तरह मालिश कीजिए जिससे हाथों की त्वचा मुलायम हो जाये। इसके लिए आप नारियल तेल या बादाम तेल का उपयोग करें तो ज्यादा बेहतर होगा। नहाने के तत्काल बाद जब आपकी त्वचा गीली हो तो हाथों पर मॉइस्चराईजर लगा लीजिए जिससे त्वचा में नमी को बनाए रखने में मदद मिलेगी।
- बादाम, दही और चुटकी भर हल्दी डालकर बने मिश्रण को हाथों पर लगाकर 30 मिनट बाद हाथों को ताजे ठण्डे पानी से धो डालिए। इस प्रक्रिया को आप हफ्ते में दो बार अपना सकते हैं। रात्रि को सोने से पहले हाथों पर पौष्क क्रीम की हल्के मालिश करने के बाद सो जाइए।
- हाथों की त्वचा को मुलायम बनाए रखने के लिए आप कुछ घरेलू हर्बल प्रसाधनों की मदद भी ले सकती है। आजकल बाजार में कई तरह के मॉइस्चराईजर, हैंड क्रीम आदि उत्पाद उपलब्ध हैं। बॉडी लोशन की बजाय हैंड क्रीम हमेशा बेहतर साबित होती है क्योंकि हैंड क्रीम ज्यादा पोषक होती है। पानी पर आधारित लोशन लगाने से त्वचा में सूखापन बढ़ जाता है क्योंकि पानी हवा में उड़ जाता है। इसके मुकाबले ऑयल पर आधारित क्रीम लगाना कहीं ज्यादा प्रभावी तथा लाभप्रद रहता है। जब भी आपके हाथ शुष्क हों तो तत्काल हैंड क्रीम लगाना कतई ना भूलें। हाथों को धोने के लिए उपयोग किए जाने वाले साबुन हल्के तथा सुगन्धरहित होने चाहिए।
- चार चम्मच बादाम तेल, एक चम्मच गुलाब जल तथा आधा चम्मच टिनचर बेंज़ोइन को मिलाकर बने मिश्रण को हाथों पर लगाकर, सूती कपड़े से लपेटकर हाथों को ढंक लें तथा इसे रात भर हाथों पर लगा रहने के बाद सुबह ताजे सामान्य पानी से धो डालिए। इससे आपके हाथ कोमल तथा मुलायम हो जायेंगे।
- लोशन की बजाय अगर आप क्रीम/आर्यन्टमैंट को प्राथमिकता दीजिए क्योंकि यह ज्यादा प्रभावी होते हैं।
- नींबू जूस और चीनी को हाथों पर रगड़ने से त्वचा मुलायम होती है।
- दो चम्मच सूर्यमुखी तेल, 2 चम्मच नींबू जूस तथा तीन चम्मच चीनी को मिलाकर बनाये मिश्रण को हाथों पर लगाकर आधे घण्टे बाद हाथों को ताजे साफ पानी से धो डालिए। इसे हफ्ते में तीन बार प्रयोग कर सकते हैं।
- यदि आपकी त्वचा कैमिकलयुक्त साबुन, डिटरजैंट के प्रति संवेदनशील है तो आप बर्तन धोते समय हाथों पर दस्ताना पहनना कतई न भूलें। एक चम्मच खमीर को एक गिलास ताजे जूस में डालकर पीने से नाखून तथा त्वचा बेहतर और स्वास्थ्यवर्धक रहती है।

(लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ हैं।)

पतले बालों को दही की मदद से बनाएं घना-लंबा

दही का इस्तेमाल वैसे तो हर घर में खाने की थाली में किया जाता है। लेकिन वास्तव में यह रिकन और हेयर के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह बालों की ग्रोथ को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उसकी चमक को वापिस लौटाने में मदद करता है। यदि आपके हेयर्स सूखे और डैमेज्ड हैं या फिर आपके बाल लगातार झड़ रहे हैं, जिससे वह काफी पतले हो गए हैं तो ऐसे में आपको दही के मास्क को अपने बालों में अप्लाई करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको दही की मदद से बनने वाले कुछ हेयर मास्क के बारे में बता रहे हैं-

अंडा और दही मास्क

अंडे की जर्दी में पेप्टाइड्स होते हैं जो बालों के विकास को प्रोत्साहित करते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि आपके बाल तेजी से और स्वस्थ हों। इसके लिए आप एक अंडे को तोड़कर अच्छी तरह फेंट दें, ताकि उसका येलो व व्हाइट भाग अच्छी तरह मिक्स हो जाए। अब इसमें 2 बड़े चम्मच दही डालकर पेस्ट बनाएं। बस अब अपने बालों के सेक्शन्स करके इस मिश्रण को रूट्स से लेकर जड़ों पर लगाएं। करीबन आधे घंटे के लिए उसे ऐसे ही छोड़ दें। आखिरी में शैम्पू और ठंडे पानी की मदद से बालों को वॉश करें।

केला और दही मास्क

केले में पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन होते हैं जो बालों को पोषण देने में मदद करते हैं। यह स्कैल्प के स्वास्थ्य में सुधार करता है, रूसी को कम करता है और बालों को चमकदार बनाता है। यह हेयर ब्रेकेज की समस्या को भी दूर करता है, जिसके कारण आपके हेयर फिर से घने होने लगते हैं। इस मास्क को बनाने के लिए आधा पका हुआ केला लेकर उसमें एक बड़ा चम्मच दही, तीन चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच नींबू का रस मिक्स करके स्मूद पेस्ट तैयार करें। अब इसे रूट्स से लेकर टिप्स पर लगाएं और आधे घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब आप शैम्पू की मदद से बालों को वॉश करें।

दही और शहद मास्क

शहद बालों को कंडीशन करता है, जिससे रूसी व हेयर लॉस की समस्या दूर होती है। साथ ही बालों को थिक बनाने में मदद मिलती है। इस मास्क को बनाने के लिए आप आधा कप दही लेकर उसमें एक छोटा चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच सेब का सिरका डालकर मिक्स करें। अब इसे अपने बालों पर लगाकर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। आखिरी में एक माइल्ड शैम्पू की मदद से बालों को वॉश करें।

लेयर्ड ज्वेलरी के साथ स्टाइल

दीप्ति अंगरीश

किसी भी तरह के कपड़े पहन लें, लेकिन ज्वेलरी के बिना अच्छा लुक उभरकर नहीं आता। भले ही ज्वेलरी लाइटवेट हो या एंटीक या बोल्ड...कोई भी। आजकल ट्रेंड में है लेयर्ड ज्वलेरी। इसमें एक नहीं 2-3 ज्वेलरी पीस एक साथ पहने जाते हैं। मेटल गोल्ड, सिल्वर, फंकी, ऑक्सीडाइस्ड...को अलग-अलग पहनें या एक साथ। इसमें खास होती है लेयरिंग और स्पेसिंग। आप खुद भी क्रिएट कर सकते हैं लेयर्ड ज्वेलरी।

लेयर्ड से दिखें ट्रेंडी

ये हर उम्र की महिला और हर तरह के आउटफिट पर फबती है। इसे बाजार से खरीदने के अलावा आप खुद भी क्रिएट कर सकते हैं। ये उन महिलाओं के लिए मुफीद है जिन्हें अपनी पुरानी ज्वेलरी से अधिक मोह होता है। जानते हैं कुछ आइडियाज़, जो पुरानी ज्वेलरी को लेयर लुक देंगे।

नेक ज्वेलरी

सामन्य नेक ज्वेलरी को नेक लेयर ज्वेलरी बनाने के लिए ज़रूरी नहीं कि सोने व चांदी की ही ज्वेलरी हो। स्टोन चेन, पर्ल चेन या प्लेन गोल्ड चेन को भी लेयर ज्वेलरी बना सकते हैं। कॉलर बोन तक आती गोल्ड चेन के साथ लंबी प्लेन गोल्ड चेन या पर्ल चेन के साथ पहनें। लंबाई में छोटी-बड़ी चेन के साथ शानदार लेयरिंग की जा सकती है। हैवी ज्वेलरी पहन रही हैं, तो चोकर को भारी व लंबी पेंडेंट चेन से लेयर करें।

ध्यान रहे कि जितनी भी लेयरिंग करें, सभी दिखनी चाहिए। इसमें हैवी ज्वेलरी को डेलीकेट ज्वेलरी से भी लेयर किया जा सकता है। कोशिश करें कि लेयरिंग में सभी ज्वेलरी एक ही मेटल की हों। इसमें आप कई सारी एक ही लंबाई की नेक ज्वेलरी को एक साथ न पहनें।

रिंग्स का मैजिक

अंगूठी को कई तरीकों से लेयर्ड कर सकते हैं। मसलन जिस हाथ की अंगुली में गोल्ड रिंग पहनी हैं उसके साथ वाली अंगुली में डायमंड रिंग पहनें। जेम स्टोन रिंग के साथ ऐसी लेयरिंग करें। हटकर लेयरिंग के लिए एक ही अंगुली में 2-3 रिंग अच्छी लगती है, जैसे दो पतली सोने, चांदी या किसी ओर मेटल के बीच में डायमंड या रंग-बिरंगे स्टोन की रिंग पहनें। कॉकटेल रिंग को भी समान मेटल के साथ लेयर करें। आजकल बाज़ार में टिप फिंगर रिंग भी मिलती हैं। 2-3 रिंग की लेयरिंग करने के बाद उसी अंगुली में टिप फिंगर रिंग हाथ को न्यू लुक देती है।

ऑनलाइन व ऑफलाइन शॉपिंग में किफायती दाम में नकल मिडी फिंगर टिप रिंग मिलती है। इनमें बेस रिंग के अलावा 3-4 रिंग होती है, जो पूरी अंगुली को कवर करती है। दोनों हाथों की 1-1 अंगुली को रिंग्स से लेयर्ड करें। थंब रिंग को टिप फिंगर रिंग से लेयर करें।

बैंगल-ब्रेसलेट की लेयर

कई तरह के डिज़ाइन, टेक्सचर व शेप के ब्रेसलेट खरीदें। चूड़ियों को ब्रेसलेट के साथ भी लेयर किया जा सकता है। एक स्ट्रैड वाले ब्रेसलेट को प्लेन व डिज़ाइन वाली सोने की चूड़ियों से लेयर कर सकते हैं। डबल स्ट्रैड वाले ब्रेसलेट को गोल्ड बैंगल से लेयर करें। इमेज, नाम या क्यूट ब्रेसलेट को सिंपल ब्रेसलेट के साथ लेयर कर सकते हैं। मंगलसूत्र ब्रेसलेट भी चलन में है।

बॉलीवुड में भी हिट

हाल ही में फैशन डिज़ाइनर मसाबा गुप्ता के एक्टर्स सोनम कपूर की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की गई। इसमें सोनम कपूर ने डायमंड चोकर नेकपीस को नेक टाइट सिंगल स्ट्रैड डायमंड चेन से लेयर किया था। कुछ तस्वीरों में दीपिका पादुकोण ने भी लेयर्ड ज्वेलरी पहनी है। एक तस्वीर में दीपिका ने हैवी मेकअप के साथ 3 गोल्ड चेन की लेयरिंग की है। दूसरी में एक हाथ में 2 बैंगल के बीच ब्रेसलेट पहना है।

मेकअप टिप

हैवी मेकअप के साथ लाइट वेट वाली ज्वेलरी के साथ लेयरिंग करें। इसके साथ ही हैवी वेट की ज्वेलरी की लेयरिंग के साथ न्यूड मेकअप करें।

अंगूठी को कई तरीकों से लेयर्ड कर सकते हैं। मसलन जिस हाथ की अंगुली में गोल्ड रिंग पहनी हैं उसके साथ वाली अंगुली में डायमंड रिंग पहनें। जेम स्टोन रिंग के साथ ऐसी लेयरिंग करें। हटकर लेयरिंग के लिए एक ही अंगुली में 2-3 रिंग अच्छी लगती है, जैसे दो पतली सोने, चांदी या किसी ओर मेटल के बीच में डायमंड या रंग-बिरंगे स्टोन की रिंग पहनें।

आजकल वजन घटाने हेतु बहुत सारी व्यायामशालाएं खुली हुई हैं जिनमें से कुछ चंद दिनों में वजन घटाने का दावा करती हैं व लोग इसी दावे को सच मानकर उनकी ओर खिंचे चले आते हैं। वे इनमें ढेर सारा पैसा और अपना कीमती समय खर्च करते हैं लेकिन यह जरूरी नहीं कि इनके द्वारा किया गया दावा सच साबित हो ही जाए। क्यों न आप घर पर ही अपने लिए कुछ समय निकालें। इससे आपका पैसा तो बचेगा ही, साथ ही आपका वजन भी निश्चित रूप से कम होगा, बस जरूरत है तो वजन घटाने हेतु सही जानकारी की। सर्वप्रथम आप यह याद रखें कि वजन को कम करने में समय लगता है।

जब आपका वज़न बढ़ने लगे

- भाषणा गुप्ता

वर्तमान युग में बच्चों से लेकर युवाओं तक सभी मोटापे का शिकार होते जा रहे हैं। मोटे व्यक्ति को जहां दूसरों के समाने शर्मिंदगी उठानी पड़ती है, वहीं उसके शरीर में अनेक बीमारियां भी अपना घर बना लेती हैं। आजकल वजन घटाने हेतु बहुत सारी व्यायामशालाएं खुली हुई हैं जिनमें से कुछ चंद दिनों में वजन घटाने का दावा करती हैं व लोग इसी दावे को सच मानकर उनकी ओर खिंचे चले आते हैं। वे इनमें ढेर सारा पैसा और अपना कीमती समय खर्च करते हैं लेकिन यह जरूरी नहीं कि इनके द्वारा किया गया दावा सच साबित हो ही जाए। क्यों न आप घर पर ही अपने लिए कुछ समय निकालें। इससे आपका पैसा तो बचेगा ही, साथ ही आपका वजन भी निश्चित रूप से कम होगा, बस जरूरत है तो वजन घटाने हेतु सही जानकारी की। सर्वप्रथम आप यह याद रखें कि वजन को कम करने में समय लगता है। इसलिए अगर आप वास्तव में ही अपना वजन कम करना चाहते हैं तो सही ढंग से नाश्ता करें। जब हम आवश्यकता से अधिक कैलोरीयुक्त भोजन खा लेते हैं तो यह अतिरिक्त कैलोरी हमारे पेट, नितम्बों व कूल्हों में जमा हो जाती है इसलिए वजन घटाने हेतु यह अति आवश्यक है कि आप अपने भोजन में कैलोरी की मात्र को कम से कम रखें। दिन भर में एक या दो बार पेट भर भोजन करने की बजाए 4-5 बार थोड़ा-थोड़ा खाएं। यह निश्चित रूप से आपके वजन को कम करने में सहायक होगा। इससे हमारी शरीर की मंद चयापचय क्रि या तीव्र होती है। दिन में 4-5 बार किया भोजन हमारे शरीर में ऊर्जा की पूर्ति भी करता है और हमारी भूख भी शांत रहती है। रेशे भी वजन को कम करने में सहायक हैं। ये आंतों में जमी चरबी को सोखते हैं। ऐसे रेशे हजारों सूक्ष्म धागों से मिलकर बने होते हैं। जब हम रेशेयुक्त भोजन खाते हैं तो ये धागे हमारे वसा कणों में इर्द गिर्द लिपट जाते हैं और उनका पूरी तरह पाचन नहीं होने देते। इस प्रकार वसा हमारे शरीर में जमा होने से पूर्व ही बाहर निकल जाती है। रेशेयुक्त भोजन देर से हज़म होता है व इसे पचाने हेतु शरीर को अधिक श्रम करना पड़ता है जिसमें अधिक ऊर्जा खर्च होती है। व्यायाम शरीर की अतिरिक्त चर्बी को घटाने का कारगर नुस्खा है। इसके लिए आपको जिम या हैल्थ क्लब जाने की जरूरत नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार एक दिन में 30 मिनट का शारीरिक श्रम, जिम में सप्ताह में पांच दिन 20 से 60 मिनट लगातार व्यायाम करने के बराबर होता है। अत- अधिक से अधिक शारीरिक श्रम करने का प्रयास करें। मोटापे के कारण शरीर की चयापचय क्रिया मंद पड़ जाती है जिसमें आप व्यायाम द्वारा वृद्धि कर सकते हैं। अपने खानपान के प्रति सतर्क रहने हेतु आपको चाहिए कि आप एक ऐसा चार्ट तैयार करें जिसमें आपका दिनभर का भोजन शामिल हो। दिन में 4-5 बार जो भी खाए,वह इस चार्ट पर नोट करें। एक सप्ताह के बाद इसे चेक करें कि आपने कब, कितनी मात्रा में किस तरह का भोजन खाया, रेशेयुक्त, कैलोरीयुक्त, फास्ट फूड या फिर अन्य प्रकार का भोजन। एक-एक सप्ताह के बाद चार्ट को चेक करने के साथ ही अपना वजन भी तोलें। इससे आपको पता चल जाएगा कि किस तरह के भोजन से आपका वजन कम होता है। इसके लिए आप आहार विशेषज्ञों की सलाह भी ले सकते हैं।

एक नजर...

यूपी शिक्षक संघ का दावा- पंचायत चुनाव में 1621 टीचरों की कोरोना से हुई मौत, 1 करोड़ मुआवजे की मांग

नई दिल्ली। यूपी में हाल ही संपन्न हुए पंचायत चुनाव के दौरान ड्यूटी में लगे कर्मचारियों की कोरोना से मौत का मामला अभी शांत नहीं हुआ है. उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ ने दावा किया है कि पंचायत चुनाव में ड्यूटी के दौरान 1600 से ज्यादा शिक्षकों की कोरोना संक्रमण से मौत हुई है. प्राथमिक शिक्षक संघ ने मृतकों के परिजनों के लिए एक-एक करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की है. शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा ने इस बाबत सीएम योगी आदित्यनाथ को एक चिट्ठी लिखी है. शिक्षक संघ ने दावा किया है कि कोरोना के दौरान चुनाव में ड्यूटी करने से बड़ी संख्या में सरकारी शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और बेसिक शिक्षा विभाग के अन्य कर्मी कोरोना से संक्रमित हो गए. शिक्षक संघ ने कहा कि 1600 से ज्यादा कर्मियों की संक्रमण से ड्यूटी के दौरान ही मौत हो गई. शिक्षक संघ ने सभी मृतकों के परिवार के लिए एक-एक करोड़ मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है. संघ ने मृतक शिक्षकों और विभाग के कर्मचारियों की लिस्ट भी शासन को भेजी है. शिक्षक संघ ने 16 मई को योगी सरकार के पास मृतक साथियों की सूची भेजने के साथ ही आठ मांगें रखी है. शिक्षकों ने मांग की है कि पंचायत चुनाव की ड्यूटी करने के बाद कोविड 19 के संक्रमण के कारण मरने वाले शिक्षकों को 2005 से पहले लागू पुरानी पेंशन दी जाए. इसके अलावा एक करोड़ मुआवजा, इनके परिवार में जो आश्रित डीएलएड या बीएड की योग्यता रखता है उसे टीईटी से छूट देते हुए शिक्षक के पद पर तुरंत नियुक्ति दी जाए. साथ ही बाकियों को लिपिक के पद पर नियुक्त दी जाए. संघ ने अपनी चिट्ठी में चुनाव ड्यूटी के दौरान कोरोना से मरने वाले सभी 1621 सरकारी टीचरों के नाम, स्कूल, जिला, मोबाइल नंबर और मृत्यु की तारीख का ब्योरा भेजा है. लिस्ट के मुताबिक, 1621 कर्मयारियों में 1332 शिक्षक, 209 शिक्षा मित्र, 25 अनुदेशक, 5 बीईओ, 15 क्लर्क और अन्य कर्मचारी शामिल थे. बता दें कि यूपी में 15 अप्रैल से 29 अप्रैल के बीच चार चरणों में पंचायत चुनाव हुए थे. चुनाव का रिजल्ट दो मई को आया था.

नोएडा के लिए राहत भरी खबर, कम हुए कोरोनावायरस के मामले

नोएडा। नोएडा के लिए राहत भरी खबर सामने आई है. यहां कोरोनावायरस के मामलों में कमी देखने को मिली है. नोएडा में पिछले 24 घंटे में कोरोना के सिर्फ 457 नए मामले सामने आए हैं. वहीं इससे पहले एक दिन में नोएजडा में संक्रमित मरीजों की संख्या हजार के ऊपर पहुंच रहा था. नोएडा में पिछल 24 घंटे में 856 से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं. हालांकि मौत का आंकड़ा सिंगल डिजिट में जरूर है लेकिन यह परेशान करने वाला है.एक दिन में 7 लोगों की मौत हुई है. बता दें कि उत्तर प्रदेश में कोरोना का संक्रमण दिन प्रतिदिन घटता जा रहा है. सोमवार को प्रदेश में 9391 नए कोरोना संक्रिमत लोग मिले हैं.वहीं 24837 मरीज संक्रमण मुक्त होकर स्वस्थ हो गए, जबकि 285 मरीजों की मौत हो गई. वर्तमान में प्रदेश में मरीजों के स्वस्थ होने की दर 88.92 प्रतिशत है. अब यहां कोरोना वायरस की रिकवरी की दर लगभग 90 प्रतिशत हो गई है. इसके साथ ही 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों के लिए आज से वैक्सीनेशन 23 जिलों में शुरू हो गया है. स्वास्थ्य विभाग से मिले आकड़ों के अनुसार, गोरखपुर में 542 और लखनऊ में 517 नए केस मिले. मेरठ में रविवार को जहां प्रदेश में सर्वाधिक 782 केस मिले थे, आज संख्या सिमटकर 452 पर आ गई. इनके साथ ही सहारनपुर में 458 तथा गौतमबुद्धनगर में 457 केस मिले हैं. अब लखनऊ में एक्टिव केस 9849 हैं तो बीते 24 घंटे में यहां पर मृतकों की संख्या उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक 22 रही. यहां पर कुल 2268 लोगों की मौत हुई है जबकि बीते 24 घंटे में 1663 लोग इसके संक्रमण से मुक्त हुए हैं. प्रदेश में बीते 24 घंटे में लखनऊ में 22, कानपुर में 21 और गाजियाबाद व सहारनपुर में 11-11 लोगों की मौत हुई है.

गौरतलब है कि कि बीते 24 घंटों में कोरोना से 4,329 मौतों के साथ भारत में कोविड संक्रमण की सबसे ज्यादा मौतें दर्ज की गई हैं. इसकी जानकारी मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने दी. हालांकि, दूसरी तरफ कोरोना के 2,63,533 नए मामले सामने आए, जो कि 26 दिनों में सबसे कम थे. 21 अप्रैल के बाद पहली बार सोमवार को कोविड मामलों की संख्या तीन लाख से कम आई. भारत में 12 मई को कोरोना से 4,205 लोगों की जाने गई, जबकि 7 मई को देश में 4,14,188 के अपने उच्चतम मामले दर्ज किए गए थे. महाराष्ट्र अब तक की सबसे ज्यादा मौतों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, पिछले सप्ताह दर्ज किए गए सबसे ज्यादा मामलों में पश्चिमी राज्य कर्नाटक से आगे निकल गया है.

यूपी में 4 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार–बांदा जिले में एक शादी समारोह के दौरान चार साल की बच्ची का कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है. पुलिस ने कहा कि आरोपी उमेश निषाद को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया.

तीसरी लहर आई भी नहीं... उत्तराखंड में 15 दिन में 1618 बच्चे कोविड संक्रमित

देहरादून। विशेषज्ञ कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका जता रहे हैं और चेतावनी दे रहे हैं कि इस लहर का सबसे ज्यादा प्रभाव बच्चों पर पड़ेगा. हालांकि उत्तराखंड से जो खबर आ रही है, वह डराने के लिए काफी है, सूबे में कोरोना के कहर के आंकड़े तो परेशान करने वाले हैं ही, लेकिन जो अब शिकार बन रहे हैं वह सरकार के होश उड़ाने के लिए काफी हैं. राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक राज्य में 9 साल से कम उम्र के करीब 1000 बच्चों को सिर्फ पिछले 10 दिनों के भीतर कोरोना संक्रमित पाया गया है. इनमें से कुछ बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल तक में भर्ती कराना पड़ा है. गौरतलब है कि जानकारों के हवाले से खबरें आ चुकी है कि कोरोना की आगामी तीसरी लहर में बच्चों के लिए खतरा बहुत ज़्यादा होगा, लेकिन इससे पहले ही उत्तराखंड में दूसरी लहर बच्चों को चपेट में ले रही है. इन आंकड़ों चेतावनी समझने की सलाह भी विशेषज्ञ दे रहे हैं. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले एक साल में उत्तराखंड में कुल 2131 बच्चे कोविड 19 की चपेट में आए. वहीं, इस साल 1 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच 264 बच्चे जांच में पॉज़िटिव पाए गए थे, जबकि 16 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच 1053 बच्चे संक्रमित हुए. अब 1 मई से 14 मई के बीच के जो आंकड़े आए हैं, उनके मुताबिक राज्य में 1618 बच्चे कोरोना के शिकार हुए.

मौजूदा हेल्थ सिस्टम कोरोना से लड़ने में ध्वस्तः इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज। सरकार के कोरोना वायरस संक्रमण से लड़ने के उपायों और व्यवस्था पर अदालतें काफी कुछ कह रही हैं. अब फिर से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ते प्रकोप पर चिंता जताते हुए तीखी टिप्पणी की है. अदालत ने कहा कि कुछ महीनों में हमने महसूस किया है कि प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था बहुत कमजोर है. मौजूदा चिकित्सा सुविधाएं सामान्य समय में लोगों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकतीं इसीलिए कोरोना महामारी के सामने इसे ध्वस्त होना पड़ा. कोर्ट ने कहा कि इसमें सुधार की बहुत जरूरत है. यह आदेश कोरोना महामारी को लेकर व्यवस्था की निगरानी कर रही न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा एवं न्यायमूर्ति अजीत कुमार की खंडपीठ ने दिया है.

प्रयागराज सहित पांच मेडिकल कॉलेज पीजीआई की तरह बनाएं–कोर्ट ने कहा कि प्रयागराज, आगरा, मेरठ, कानपुर और गोरखपुर मेडिकल कॉलेजों में चार महीने के भीतर संजय गांधी स्नातकोत्तर संस्थान की तरह उन्नत सुविधाएं होनी चाहिए. उनके लिए भूमि अधिग्रहण के लिए आपातकालीन कानून लागू किया जाए. उन्हें तत्काल निधि प्रदान की जानी चाहिए. इसके लिए कुछ हद तक स्वायत्तता भी दी जानी चाहिए. सरकार इस मामले को लटकाए नहीं और अगली तारीख तक इस बात की एक निश्चित रिपोर्ट के साथ आए कि मेडिकल कॉलेजों का यह उन्नयन चार महीने में कैसे किया जाएगा.

प्रत्येक गांव को दी जाएं दो एम्बुलेंस–गांवों और छोटे शहरी क्षेत्रों को सभी प्रकार की पैथोलॉजी सुविधाएं दी जानी चाहिए. सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बड़े शहरों में लेवल-2 अस्पतालों के बराबर उपचार उपलब्ध कराया जाना चाहिए. यदि कोई रोगी ग्रामीण क्षेत्रों में या छोटे शहरों में गंभीर हो जाता है तो सभी प्रकार की गहन देखभाल की सुविधाओं के साथ एम्बुलेंस प्रदान की जानी चाहिए ताकि उस रोगी को बड़े शहर में उचित चिकित्सा सुविधा वाले अस्पताल में लाया जा सके. कोर्ट ने सुझाव दिया कि राज्य के प्रत्येक बी ग्रेड और सी ग्रेड शहर को कम से कम 20 एम्बुलेंस और हर गांव को

कम से कम दो ऐसी एम्बुलेंस दी जानी चाहिए, जिनमें गहन चिकित्सा इकाई की सुविधा हो. कोर्ट ने एक माह के अंदर एंबुलेंस उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया है ताकि इन एंबुलेंस से छोटे शहरों और गांवों के मरीजों को बड़े शहरों के बड़े अस्पतालों में लाया जा सके.

शहरी क्षेत्र की आबादी पर भी व्यवस्था नहीं–खंडपीठ ने कहा कि पांच जिलों की जनसंख्या के आधार पर स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे के सम्बंध में वहां के डीएम की रिपोर्ट से पता चलता है कि शहरी क्षेत्रों में शहरी आबादी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा बिल्कुल अपर्याप्त है और ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जीवन रक्षक उपकरणों की वास्तव में कमी है. अधिकांश जिलों में तो लेवल-3 अस्पताल की सुविधा नहीं है. चिकित्सा अधोसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकार को उच्चतम स्तर पर ध्यान देना चाहिए. कोर्ट ने केंद्र एवं राज्य के स्वास्थ्य सचिवों अगली सुनवाई पर इस संबंध में एक रिपोर्ट पेश करने को कहा है.

नर्सिंग होम के लिए जरूरी मानक–कोर्ट ने नर्सिंग होम के लिए मानक भी बताए. कहा कि राज्य के सभी नर्सिंग होम/अस्पतालों के लिए अनिवार्य रूप से तय किया जाना चाहिए कि...

सभी नर्सिंग होम में प्रत्येक बेड पर ऑक्सीजन की सुविधा हो

20 से अधिक बेड वाले प्रत्येक नर्सिंग होम/अस्पताल में गहन देखभाल इकाइयों के रूप में कम से कम 40 प्रतिशत बेड हों

इन 40 फीसदी में से 25 प्रतिशत में वेंटिलेटर हो, 25 प्रतिशत में उच्च प्रवाह नाक प्रवेशनी हो और 40 प्रतिशत आरक्षित बेड में से 50 प्रतिशत में बीपैप मशीन हो

30 से अधिक बेड वाले प्रत्येक नर्सिंग होम/अस्पताल में अनिवार्य रूप से ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र होना चाहिए

गांवों में नहीं हो रही कोविड जांच–कोर्ट ने पिछली सुनवाई पर पांच छोटे जिलों में स्वास्थ्य सुविधाओं पर रिपोर्ट मांगी थी. प्रदेश सरकार की रिपोर्ट में से कोर्ट ने बिजनौर की रिपोर्ट पर कहा कि वहां की जनसंख्या के हिसाब से स्वास्थ्य सुविधाएं मात्र 0.01 प्रतिशत लोगों के लिए हैं. बिजनौर में लेबल श्री और जीवन रक्षक उपकरणों की सुविधा नहीं है. सरकारी अस्पताल में सिर्फ 150 बेड हैं. ग्रामीण क्षेत्र की 32 लाख की आबादी के लिए रोजाना 1200 टेस्टिंग बहुत कम है. कोर्ट ने कहा कि रोज कम से कम चार से पांच हजार आरटीपीसीआर जांच होनी चाहिए. कोर्ट ने कहा कि हम कोविड संक्रमितों की पहचान करने में चूक गए तो कोराना की तीसरी लहर को न्योता दे देंगे.

इलाहाबाद हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने योगी सरकार पर बोला हमला

प्रयागराज। यूपी के स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हाईकोर्ट के टिप्पणी पर कांग्रेस ने योगी सरकार पर बोला हमला है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने हाईकोर्ट की टिप्पणी का स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने यूपी की स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बिल्कुल सही कहा है. यूपी के छोटे कस्बों और गांवों में स्वास्थ्य सुविधाएं वाकई राम भरोसे हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पताल नहीं खुलते हैं. प्रमोद तिवारी ने आगे कहा कि जहां पर अस्पताल खुलते हैं वहां डॉक्टर तैनात नहीं है, जहां डॉक्टर तैनात हैं वह रात में पीएचसी और सीएचसी पर रुकते नहीं हैं और जहां डॉक्टर रुकते हैं वहां पर दवाएं नहीं है. कोरोना से लड़ने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी डॉक्टरों के पास न अक्सीजन है और न ही दवाएं हैं.

कांग्रेस नेता ने यूपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि हाईकोर्ट राज्य

सरकार से पिछले 4 साल में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ के रिक्त पदों की जानकारी मांगे तो पोल खुल जाएगी.डॉक्टरों और पैरामेडिकल की कितनी आवश्यकता है और कितने नियुक्त हुए तो यूपी सरकार का चेहरा बेनकाब हो जाएगा. वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि बीजेपी सरकार को कांग्रेस सरकार का धन्यवाद देना चाहिए क्योंकि कांग्रेस के शासनकाल में ही स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए पैसा दिया गया. उस पैसे से संविदा पर डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती की गई थी, जिनके भरोसे आज प्रदेश की पीएचसी और सीएचसी की स्वास्थ्य सेवाएं चल रही हैं. बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कोरोना संक्रमण के लगातार बढ़ते प्रकोप पर चिंता जताते हुए तीखी टिप्पणी की है. अदालत ने कहा कि कुछ महीनों में हमने महसूस किया है कि प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था बहुत कमजोर है. मौजूदा चिकित्सा सुविधाएं सामान्य समय में लोगों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकतीं इसलिए कोरोना महामारी के सामने इसे ध्वस्त होना पड़ा. कोर्ट ने कहा कि इसमें सुधार की बहुत जरूरत है. यह आदेश कोरोना महामारी को लेकर व्यवस्था की निगरानी कर रही न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा एवं न्यायमूर्ति अजीत कुमार की खंडपीठ ने दिया है.

यूपी में 4 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म

लखनऊ। बांदा जिले में एक शादी समारोह के दौरान चार साल की बच्ची का कथित तौर पर अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है. पुलिस ने कहा कि आरोपी उमेश निषाद को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया. उसपर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. उसपर पोक्सो अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया. खबरों के मुताबिक, उमेश लड़की को आपने साथ पास के जंगल में तब ले गया, जब उसके परिवार के सदस्य शादी समारोह में व्यस्त थे.

युवक घर पहुंचा भी नहीं, रास्ते में ही पीट-पीटकर हत्या–पुलिस ने कहा कि उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसका गला घोंटने की कोशिश की. सर्किल ऑफिसर (सिटी) सत्य प्रकाश शर्मा ने कहा, ÷बच्ची शनिवार रात जिले के जसपुरा थाना क्षेत्र के एक इलाके में एक शादी समारोह में शामिल होने गई थी. रविवार की तड़के वह लापता पाई गई. परिजनों द्वारा उसे खोजने पर वह पास के जंगल में बेहोशी की हालत में मिली. पीड़िता को पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जबकि शादी में कुछ मेहमानों ने बच्ची को पीड़ित के साथ देखे जाने की पुष्टि की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया.

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए यूपी तैयार–कोरोना के दूसरी लहर से निपटने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार तीसरी लहर को रोकने की तैयारी में जुट गयी है. इसके लिए न केवल अस्पतालों में बेड बढ़ाए जा रहे हैं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की व्यवस्था की गयी है.

उत्तराखंड में एक हफ्ते के लिए बढ़ा लॉकडाउन

देहरादून। उत्तराखंड की तीरथ सिंह रावत सरकार ने प्रदेश में लगी पाबंदियों को एक हफ्ते के लिए बढ़ा दिया है. उत्तराखंड में अब कोरोना कर्फ्यू यानी लॉकडाउन 25 मई तक जारी रहेगा. दरअसल, बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने एक हफ्ते का लॉकडाउन बढ़ा दिया है. राज्य में 17 मई तक लॉकडाउन था. 18 की सुबह से यह लॉकडाउन खुलना था, लेकिन सरकार ने इसे बढ़ा दिया है. रविवार को सरकार के प्रवक्ता सुबोध उनियाल ने इस ओर संकेत करते हुए कहा था कि आने वाले हफ्ते में सरकार कड़े कदम उठाने जा रही है. इस हफ्ते लगाए गए लॉकडाउन में सख्त पाबंदियां लागू की गई हैं. तीरथ सिंह रावत सरकार ने न केवल अंतराज्यीय आवाजाही पर पूरी तरह से रोक लगाई है बल्कि प्रदेश के अंदर भी एक जिले से दूसरे जिले में जाने पर भी पाबंदी होगी. सूत्रों के अनुसार लॉकडाउन में हफ्ते में केवल 2 दिन के लिए ही निश्चित समय के लिए राशन की दुकानें खोली जाएंगी.

राम मंदिर के शिलान्यास पर नौ शिला स्थापित

अयोध्या। पिछले साल 5 अगस्त को भूमि पूजन समारोह के दौरान राम जन्मभूमि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूजा की गई नौ पवित्र शिलाओं, चांदी और तांबे के कलशों को सोमवार को मंदिर के गर्भ गृह (गर्भगृह) की नींव पर रखा गया है. नौ शिलाओं की स्थापना से पहले राम जन्मभूमि स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष प्रार्थना की गई. नन्द, अजिता, अपराजिता, भद्रा, रिक्त, जया, शुक्ल, पूर्णा और सौभाग्यनी नामक सभी नौ शिलाएँ स्थापित की गईं. इसके बाद कूर्म या चांदी का कछुआ, नाग, नागिन, नवरत्न जड़ित कमल का फूल, बकुल के पेड़ की जड़ों से बने गुच्छों और चांदी के फूलदान को भी स्थापित किया गया. सोमवार को आयोजित समारोह में आरएसएस नेता भैयाजी जोशी, मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, निमोर्ही अखाड़ा महंत दिनेंद्र दास, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, विहिप नेता राजेंद्र सिंह पंकज और लार्सन एंड टुब्रो के अधिकारी, टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स और बालाजी टक्सन मौजूद थे.

40 फीट गहरी नींव बनाने के लिए मंदिर स्थल पर खुदाई जारी है, जो 400 फीट लंबी और 300 फीट चौड़ी होगी. यह हाइड्रोलाइटिक स्थिरता प्रदान करने के लिए इंजीनियर फिल्म सामग्री की 44 परतों से भरा होगा. ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने कहा, 300 मिमी इंजीनियर फिल्म की दो परतें रखी गई हैं. निर्माण ने गति पकड़ ली है और सभी नींव परतों को मानसून से पहले रखा जाएगा. बता दें कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण एलएंडटी कंपनी कर रही है. फिलहाल मंदिर की नींव का काम चल रहा है. मंदिर का नक्शा भी पास किया जा चुका है. नक्शे के मुताबिक राम जन्मभूमि परिसर में करीब पांच एकड़ के इलाके में रामलला का मंदिर बनेगा. उसके अलावा अन्य क्षेत्र में अन्य कई मंदिर बनेंगे, यात्रियों के लिए सुविधाएं होंगी, म्यूजियम, लाइब्रेरी जैसे स्थानों का भी निर्माण करवाया जाएगा. और मंदिर निर्माण के लिए देशभर में चंदा जमा किया गया. 44 दिनों तक अभियान चलाकर चंदा लिया गया. लोगों ने भी दिल खोलकर मंदिर के लिए दान दिया. ट्रस्ट के मुताबिक, चंदा अभियान में करीब 2100 करोड़ रुपये का चंदा इकट्ठा हुआ है. ट्रस्ट के मुताबिक, करीब 10 लाख टोलियों में 40 लाख कार्यकर्ताओं ने देशव्यापी अभियान चलाया. देश भर से लोगों ने इसके लिए दान दिया. लोगों ने अंतिम दिन तक ट्रस्ट को राम मंदिर के लिए दान दिया.

कोरोना की घर-घर निगरानी समिति भेजकर जांच कराई

लखनऊ। कोरोना के दूसरी लहर से निपटने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार तीसरी लहर को रोकने की तैयारी में जुट गयी है. इसके लिए न केवल अस्पतालों में बेड बढ़ाए जा रहे हैं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में आॅक्सीजन कंसंट्रेटर की व्यवस्था की गयी है. इसके अलावा घर-घर निगरानी समिति भेजकर जांच कराई जा रही है. इसकी का नतीजा है कि दूसरी लहर पर काफी हद तक काबू पाने के बाद तीसरी लहर से निपटने के लिए यूपी पूरी तरह तैयार है. यह कहना है उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल का. अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल यह भी कहते हैं कि तीसरी लहर में बच्चों को चपेट में आने के अंदेशे को देखते हुए पूरे प्रदेश में बच्चों को समर्पित अस्पताल खोले जा रहे हैं. संक्रमण बच्चों को दिक्कत न हो इसके लिए हमारी पूरी टीम जी-जान से जुटी है.

आईएएनएस से विशेष बातचीत में यूपी के वरिष्ठ आइएएस नवनीत सहगल ने बताया तीसरी लहर आने से पहले सरकार उसे रोकने की पूरी तैयारी में लगी है. इसके लिए हर जिले में महिलाओं और बच्चों के लिए डेडिकेटेड अस्पताल बनाए जा रहे हैं. हर जनपद में पीडियाट्रिक आईसीयू बनाए जा रहे हैं. सभी गांवों में 97 हजार निगरानी समिति भेजी गयी हैं जो घर-घर स्क्रीनिंग कर रही है. इसके लिए 10 लाख मेडिकल किट भी दी गयी है. मुख्यमंत्री के निदेशें के आधार पर हर जगह बेडों की संख्या बढ़ रही है. मार्च से लेकर अब तक मेडिकल कालेज में 11 हजार से ज्यादा बेड बढ़ाए गए हैं. इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग ने 18 हजार से ज्यादा बेड बढ़ाए हैं. सीएचसी में आक्सीजन कंसंट्रेटर की व्यवस्था हो रही है. यहां 21 हजार कंसंट्रेटर भेजे जा रहे हैं. 855 सीएचसी में करीब 20-20 की व्यवस्था होगी. हर सीएचसी में 20-20 ऑक्सीजन वाले बेड होंगे. राज्य सरकार की किसी भी स्थिति से निबटने की पूरी

तैयारी है. स्टॉफ की भर्ती हो रही है. इस माह करीब 700 लोगो की भर्ती हो गयी है. उन्होंने बताया कि राज्य में वैक्सीन लगाने का कार्य बहुत तेज चल रहा है. अब तक 1,16,80,212 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी जा चुकी है. पहली डोज वाले लोगों में से 32,66,076 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई. इस प्रकार कुल 1,49,46,288 वैक्सीन की डोज लगायी जा चुकी है. 18 से 44 वर्ष के आयुवर्ग के 48,340 लोगों को वैक्सीन लगायी गयी है. इस आयुवर्ग में अब तक 4,14,329 लोगों को पहली डोज लग चुकी है. यूपी ने वैक्सीन के लिए ग्लोबल टेंडर भी किया है. अपर मुख्य सचिव सहगल ने बताया कि राज्य में कोरोना की बढ़ती रफ्तार पर काबू पाने के लिए प्रदेश सरकार ने घर-घर निगरानी टीम भेज कर ट्रेस, टेस्ट और ट्रीट की रणनीति पर पूरी आक्रमकता से जो काम किया उसीका नतीजा रहा कि 24 अप्रैल को 24 घंटे के दौरान संक्रमण के जो मामले 38055 थे वह आज घटकर करीब दस हजार पर आ गए. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि गांवों मे कोरोना का संक्रमण न फैले इसके लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है. यहां निगरानी समितियों के लोग गांव-गांव जा रहे हैं. लक्षण वाले व्यक्ति को पहचान कर तुरंत मेडिकल किट दी जा रही है. लक्षण ज्यादा होने पर आरआरटी की टीम (रैपिड रिपांस टीम) तुरंत एंटीजन टेस्ट भी कर रही है. संक्रमण कम होने के बावजूद घटते संक्रमण के अनुपात में मौतों की संख्या कम न होने की सवाल पर सहगल ने कहा कि ऐसा होने में हफ्ते, दस दिन का समय लगता है. आने वाले समय में मौतें भी घटेगी. पिछली बार की तुलना में सरकार से कहां चूक हो गयी जिसके कारण हालत बिगड़ने के सवाल पर सहगल ने कहा कि इस बार का संक्रमण 30 से 50 गुना ज्यादा है. उसकी शक्ति पिछली तुलना में अधिक है. इस बार का संक्रमण नौजवानों पर ज्यादा है. थोड़ा बुखार है ठीक हो जाएगा, ऐसी गलतफहमी नहीं होनी चाहिए. लोग ऐसा कर खुद को खतरे में न डालें इसके लिए लोगो को समय से अस्पताल जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है. इसी कारण गांव-गांव टीमें जा रही है. सहगल ने कहा कि यूपी में हम प्रतिदिन 1000 टन आक्सीजन सप्लाई कर रहे है. यहां के अस्पतालों में समुचित गैस है. शुरू में ऑक्सीजन की कमी थी. अब बेहतर हो गयी है. इस व्यवस्था और ठीक करने के लिए 370 सरकारी अस्पतालों में अब ऑक्सीजन प्लांट लग रहे हैं जो कि हवा से ऑक्सीजन बना रहे हैं.

हारेगा कोरोना जीतेगा ललितपुर

कोविड अस्पतालों में पहुंच कर डीएम ने मरीजों से ली स्वास्थ्य जानकारी

ललितपुर। जिलाधिकारी अन्नावि दिनेशकुमार द्वारा सामुदयिक स्वास्थ्यकेन्द्र तालबेहट स्थित कोविड-19 अन्तर्गत एल-2 एवं राजकीय पॉलीटेक्निक,तालबेहट स्थित कोविड-19 अन्तर्गत बनाये गये एल-1 हॉस्पिटल का आकस्मिकनिरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र,तालबेहट स्थित कोविड-19 अन्तर्गत एल-2 हॉस्पिटल सर्वप्रथम उपस्थितिपंजिका का अवलोकन किया गया, जिसमें चिकित्सालय में स्टॉफ की ड्यूटीरोस्टर के अनुसार लगायी गयी थी। निरीक्षण के समय चिकित्सक डॉ0 शिवेन्द्रएवं डॉ0 अनुराग उपस्थित पाये गये। इसके अतिरिक्त अशोक फार्मासिस्ट, मनीषफार्मासिस्ट, माया पाल स्टाफ नर्स, सुलेखा स्टाफ नर्स, रामस्वरूप सफाईकर्मचारी एवं देशपाल सफाई कर्मचारी के साथ-साथ सुरक्षा कर्मी भी उपस्थितपाये गये। निरीक्षण के समय हॉस्पिटल की क्षमता 60 बैड के सापेक्ष कुल-29मरीज भर्ती पाए गए। निरीक्षण के समय तक कोई नया मरीज भर्ती नहीं हुआ।मौके पर बताया गया कि हॉस्पिटल में ऑक्सीजन की पर्याप्त व्यवस्था है। इसपर निर्देशित किया गया कि निर्वाध आपूर्ति हेतु सत्त निगरानी रखते हुएऑक्सीजन की आपूर्ति बनाये रखना सुनिश्चित करें। निरीक्षण में यह भी अवगतकराया गया कि इस समय ऑक्सीजन सिलेण्टर पर 13 मरीज, ऑक्सीजन कन्सन्ट्रेटरपर 12 मरीज एवं 04 मरीज सामान्य स्थिति में हैं। हॉस्पिटल में भर्ती मरीजकुलदीप के पुत्र देवेन्द्र से वार्ता की गयी, उनके द्वारा बताया गया किवह 08 दिन से भर्ती है, बहुत ज्यादा सुधार नहीं हो रहा है। इसी प्रकारमरीज सोनीराजा की पुत्री सुश्री अंजलीराजा से पूछताछ की गयी, जिसमें इनकेद्वारा बताया गया कि 05 दिन से भर्ती हैं, स्थिति में सुधार हो रहा है।खान पान के सम्बन्ध में किसी प्रकार की शिकायत नहीं की गयी। भर्ती मरीजोंके सम्बन्ध में पूँछताँछ करने पर द्वारा बताया गया कि डॉक्टर्स नियमित रूपसे उनका उपचार कर रहे हैं एवं दवा आदि भी समय से नियमित रूप से दी जा रहीहै। भर्ती मरीजों को आवश्यकतानुसार रेमेडीशिविर इंजेक्शन लगाये गये हैंतथा रेमेडीशिविर इंजेक्शन की स्टॉक में उपलब्ध है। इसके उपरांत हॉस्पिटलमें खान-पान एवं पेयजल/जलापूर्ति आदि व्यवस्था का जायजा लिया गया तथामरीजों एवं चिकित्सकों से खानपान के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी।किसी भी मरीज द्वारा भोजन के सम्बन्ध में शिकायत नहीं की गयी। मौके परउपस्थित सम्बन्धित नोडल अधिकारी/चिकित्सक को निर्देशित किया गया कि खानेकी गुणवत्ता निर्धारित मानक के अनुसार सुनिश्चित करायी जाये, इसमें किसीभी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। हॉस्पिटल में साफ-सफाई व्यवस्थाठीक नहीं पायी गयी। जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय के प्रत्येक शौचालयजाकर

देखा गया, शौचालयों में काफी गन्दगी पायी गयी, इस पर अधीक्षक कोनिर्देशित किया जाता है कि खराब नल की टोटियों को तत्काल सही करानासुनिश्चित करे तथा सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाय। जिलाधिकारीद्वारा सभी 29 मरीजों से व्यक्तिगत रूप से जाकर उनका हाल-चाल पूछा गया,साथ ही चिकित्सकों/कर्मचारियों के कार्य, व्यवहार एवं आचरण के सम्बन्धमें जानकारी हासिल की गयी। किसी भी मरीज द्वारा कोई गंभीर शिकायत नहीं कीगयी। इसके उओरांत जिलाधिकारी राजकीय पॉलीटेक्निक, तालबेहट स्थित कोविड-19अन्तर्गत एल-1 हॉस्पिटल पहुंचे। यहां पर उन्होंने सर्वप्रथम उपस्थितिपंजिका का अवलोकन किया, जिसमें चिकित्सालय में स्टॉफ की ड्यूटी रोस्टर केअनुसार लगायी गयी है। इस हॉस्पिटल में कुल-6 चिकित्सक तैनात है, जिनमेंसे 2-2 चिकित्सकों की 03 शिफ्ट में ड्यूटी लगायी गयी है। निरीक्षण के समयचिकित्सक डॉ0 अनिल शाक्य एवं डॉ0 रूची गुप्ता एवं अन्य पैरामेडिकल स्टॉफ,सफाई कर्मचारी एवं सुरक्षा गार्ड मौके पर उपस्थित पाये गये। निरीक्षण केसमय कुल 25 मरीज पाये गये। मौके पर जिलाधिकारी ने प्रत्येक मरीज के पासजाकर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। सभी मरीजोंद्वारा इस चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ के बारेमें किसी प्रकार की शिकायत नहीं की गयी। निरीक्षण के समय हॉस्पिटल में190 के सापेक्ष कुल-07 मरीज भर्ती पाये गये। अधिकॉश मरीजो के एस0पी0ओ0-2लेबिल की जॉच मौके पर करायी गयी, जो संतोषप्रद पायी गयी। निरीक्षण के समयसभी मरीजों से वार्ता की गयी, भानकुंवर द्वारा बताया गया कि वह विगत 07दिन से, मूलचन्द्र 05 दिन, नरेन्द्र सिंह 02 दिन, गनेशराम 06 दिन,शिशुपाल 05 दिन, सपना 06 दिन एवं लक्ष्मीबाई 10 दिन से भर्ती है। कोई भीमरीज ऑक्सीजन पर नहीं है। सभी की स्थिति संतोषप्रद पायी गयी। निरीक्षणमें चिकित्सालय में अधिकॉश मरीजो के पास बेडशीट नहीं पायी गयी। इस परनोडल अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी मरीजों को शीघ्रतिशीघ्रबेडशीट दिलवाना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान ऑक्सीजन के 36सिलेण्डर भरे हुए एवं 02 सिलेण्डर खाली पाये गये तथा हॉस्पिटल मेंऑक्सीजन की पर्याप्त व्यवस्था होना बताया गया। मौके पर निर्देशित कियागया कि निर्वाध आपूर्ति हेतु सत्त निगरानी रखते हुए ऑक्सीजन की आपूर्तिबनाये रखना सुनिश्चित करें। भर्ती मरीजों से पूँछताँछ करने पर उनके द्वाराबताया गया कि डॉक्टर्स नियमित रूप से उनका उपचार कर रहे हैं एवं दवा आदिभी समय से उनकों नियमित रूप से दी जा रही है। उपस्थित मरीजों द्वाराउपचार के सम्बन्ध में संतोष व्यक्त किया गया। जिलाधिकारी द्वारा नोडलअधिकारी एल-1 एवं एल-2 को निर्देशित किया गया कि वर्तमान में वैश्विकमहामारी कोविड-19 के दृष्टिगत हॉस्पिटल में तैनात चिकित्सकों एवं अन्यस्टॉफ की ससमय, नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करायें। साथ ही चिकित्सकों एवंअन्य स्टॉफ का अधिकाधिक सहायोग लें, ताकि चिकित्सालय में आने वाले मरीजोंको अपेक्षित लाभ मिल सके। इसके अतिरिक्त चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था परविशेष ध्यान रखें, ताकि कोविड-19 के संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

रहस्यः कारागार से रिहा हुआ युवक नहीं पहुंचा घर

पीड़ित महिला ने अनहोनी घटना की जताई आशंका, एसपी को शिकायती पत्र भेजकर ठोस कार्यवाही की गुहार

ललितपुर। थाना बार अंतर्गत ग्राम बरौदाडांग निवासी रेनका पत्नी कमलकुशवाहा ने एक शिकयती पत्र पुलिस अधीक्षक को भेजते हुये कारागार मेंनिरूद्ध उसके पुत्र के रिहा होने के बाद भी घर नहीं पहुंचने और पुत्र केसाथ अनहोनी घटना घटित होने की संभावना व्यक्त करते हुये कार्यवाही कीमांग उठायी है। महिला ने शिकायती पत्र में बताया कि 12 मई को शाम करीब 9बजे जिला कारागार से उसे फोन आया। फोन पर बताया गया कि उसके पुत्र प्रतापको जेल से छोड़ा जा रहा है, जिस पर महिला ने सुबह आने की बात कही। अगलेदिन सुबह रेनका अपने पुत्र की सुपुर्दगी लेने जिला

कारागार पहुंची, जहांबताया गया कि उसके पुत्र प्रताप को 12 मई को रात करीब 8 बजे संजय पुत्रनामालूम निवासी हर्षपुर कोतवाली तालबेहट की सुपुर्दगी में छोड़ दिया गया।बताये गये पते पर पहुंची रेनका को हर्षपुर में भी उसके पुत्र की जानकारीनहीं मिली। पीड़ित महिला का आरोप है कि 16 मई को उसने थानाध्यक्ष बार कोशिकायती पत्र दिया, लेकिन उस पर भी कार्यवाही नहीं की गयी। अब पीड़िता नेउसके पुत्र के साथ किसी अनहोनी घटना कारित होने की आशंका व्यक्त करतेहुये कार्यवाही कर उसके पुत्र को सुपुर्द कराये जाने की गुहार लगायी है।

ललितपुर के आईपीएस

विनय तिवारी के पिता ने ऑक्सीजन कन्सट्रेटर किये भेंट

पुलिस लाइन में एसपी ने निर्मित कराया कोविड केयर हॉस्पिटल

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के कुशल निर्देशन में पुलिस लाइनपरिसर में अस्थाई कोविड केयर हॉस्पिटल का निर्माण कराया गया है। जिसमेंआईपीएस विनय तिवारी के पिता ओमप्रकाश तिवारी (भैलवारा वालों) ने दोऑक्सीजन कंसट्रेटर भेंट किये हैं। ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर कोरोना पेशेंट केलिये 24 घण्टे ऑक्सीजन उपलब्ध कराने में सक्षम है। यह मशीन एक पोर्टेबलमशीन हैं जिसकी मदद से बातावरण की हवा से ऑक्सीजन निर्मित की जाती है। इसदौरान पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार, सदर क्षेत्राधिकारी इमरान अहमद, शहरकोतवाल संजय शुक्ला, ओम प्रकाश तिवारी (भैलवारा वाले) स्वप्निल तिवारी,राजीव बजाज,

सौरभ वैद्य, डा.रविशरण सोनी, राजेश राय, सुनील पंथ, विवेकबोहरे, भरत लिटीरिया, मुकेश टोटे, अभिषेक राय, कपिल तिवारी संजय तिवारी,जन्मेश चौबे, सौरभ पाठक आदि उपस्थित रहे।

रास्ते में रोककर मारपीट करने का आरोप

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नौगांवकलां निवासी नरेन्द्र सेन पुत्ररतनलाल ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुये गांव के आधा दर्जन सेअधिक लोगों पर एकराय होकर गाली-गलौज कर मारपीट करने का आरोप लगाया है।पीड़ित ने पुलिस को दिये शिकायती पत्र में बताया कि 18 मई को सुबह करीब 8बजे जब वह गांव में था, तभी गांव के आधा दर्जन से अधिक लोगों ने उसेरास्ते में रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगों नेमारपीट कर दी। पीड़ित का आरोप है विपक्षी ग्राम प्रधानी के चुनाव को लेकररंजिश मानते हैं, जिसके चलते उस पर हमला किया गया। शोर मचाने पर गांव केकुछ लोग मौके पर आ गये, जिन्हें आता देख उक्त लोग जान से मारने की धमकीदेते हुये भाग खड़े हुये। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस से मामला दर्ज कर उक्तलोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है।

धारदार कुल्हाड़ी से हमला करने का आरोप

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के ग्राम डुलावन निवासी धनवती पत्नी सोनूअहिरवार ने एक शिकायती पत्र पुलिस अधीक्षक को भेजते हुये विपक्षियों परसही धाराओं में शिकायत दर्ज की जाकर कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायीहै। शिकायती पत्र में महिला ने बताया कि 12 मई को गांव के एक दस्टोनसमारोह में शामिल होने गयी थी। जहां गांव के ही एक युवक द्वारा गाली-गलौजकर मारपीट कर दी गयी। आरोप है कि विरोध करने पर कुल्हाड़ी से हमला करदिया गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आयी हैं। पीड़िता ने बताया किमामले की शिकायत थाना बार में की गयी, जिस पर पुलिस ने एनसीआर काटते हुयेमामले से पल्ला झाड़ लिया। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस द्वारा सख्तकार्यवाही न किये जाने से उक्त लोगों के हौसले बुलंद हैं और अब वहलगातार धमकियां देते हुये राजीनामा करने के लिए दबाव बना रहे हैं। पीड़ितने परिवार समेत जानमाल का खतरा होने की बात कहते हुये पुलिस अधीक्षक सेसही धाराओं में मामला दर्ज कर कार्यवाही किये जाने की मांग उठायी है।

न्यायालय में वादों की निर्धारित तिथियों को जून माह तक बढ़ाया

ललितपुर। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्देशानुसार सिविल वादों मेंसामान्य तिथियां नियत की गयी हैं, जो कि मुख्यालय ललितपुर, वाह्यन्यायालय महरौनी एवं ग्राम न्यायालय तालबेहट से सम्बन्धित हैं। 17 मई2021 को नियत वादों में 07 जून 2021 नियत की गयी है। इसी प्रकार 18 मई2021 को नियत वादों में 08 जून 2021, 19 मई 2021 को नियत वादों में 09जून 2021, 20 मई 2021 को नियत वादों में 10 जून 2021, 21 मई 2021 को नियतवादों में 11 जून 2021, 24 मई 2021 को नियत वादों में 14 जून 2021, 25 मई2021 को नियत वादों में 15 जून 2021, 26 मई 2021 को नियत वादों में 16जून 2021, 27 मई 2021 को नियत वादों में 17 जून 2021, 28 मई 2021 को नियतवादों में 18 जून 2021, 31 मई 2021 को नियत वादों में 21 जून 2021, 01जून 2021 को नियत वादों में जून 22 जून 2021, 02 जून 2021 को नियत वादोंमें 23 जून 2021, 03 जून 2021 को नियत वादों में 24 जून 2021 एवं 04 जून2021 को नियत वादों में 25 जून 2021 नियत की गयी है। यहॉ पर यह स्पष्टकिया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा निर्गत निर्देशों/आदेशों केअनुसार न्यायालयों का संचालन सामान्य रूप से चालू होता है तो सम्बन्धितपीठासीन अधिकारी उपरोक्त निर्धारित सामान्य तिथियों को पुनः निर्धारित करसुनवाई कर सकते हैं, जिन मामलों में माननीय उच्च न्यायालय अथवा उच्चतरन्यायालय द्वारा त्वरित निस्तारण के निर्देश निर्गत किये गये हैं, उनमामलों में पक्षकारों व उनके अधिवक्ताओं को सूचित करते हुये सुनवाई की जासकती है। इसी प्रकार दाण्डिक मामलों में सामान्य तिथियां 17 मई 2021 कोनियत वादों में 17 जून 2021, 18 मई 2021 को नियत वादों में 18 जून 2021,19 मई 2021 को नियत वादों में 21 जून 2021, 20 मई 2021 को नियत वादों में22 जून 2021 एवं 21 मई 2021 को नियत वादों में 23 जून 2021 नियत की गयीहै। यहॉ पर यह स्पष्ट किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारानिर्गत निर्देशों/आदेशों के अनुसार न्यायालयों का संचालन सामान्य रूप सेचालू होता है तो सम्बन्धित पीठासीन अधिकारी उपरोक्त निर्धारित सामान्यतिथियों को पुनः निर्धारित कर सुनवाई कर सकते हैं, जिन मामलों में माननीयउच्च न्यायालय अथवा उच्चतर न्यायालय द्वारा त्वरित निस्तारण के निर्देषनिर्गत किये गये हैं, उन मामलों में पक्षकारों व उनके अधिवक्ताओं कोसूचित करते हुये सुनवाई की जा सकती है। यह जानकारी जिला विधिक सेवाप्राधिकरण के प्रभारी सचिव डा.सुनील कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी है।

सोशल डिस्टेंश के साथ मनाई सूरदास जयंती

ललितपुर। वैश्विक महामारी करौना संकट में समदृष्टि क्षमता विकास एवंअनुसंधान मण्डल की पहल महाकवि सूरदास जयंती सोशल डिस्टेंश के बीचपारिवारिक जनों के मध्य मनाई गई जिसमें उपस्थित लोगों ने सूरदास के पदवर्तमान में समसामायिक बताए। प्रान्त सचिव प्रशान्त मिश्रा के मार्गदर्शनमें सक्षम जिलाध्यक्ष अक्षय जैन के आवास पर परिवारजनों के बीच सम्पन्नसंगोष्ठी 96 वर्षीय मातेश्वरी शान्तिबाई अलया के मुख्य आतिथ्य में हुईजिसमें सूरदास के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सूरदास नेसूरसागर की रचना को कहा जाता है। सूरदास जन्म से अंधे थे किन्तु उनकीकविता में प्रकृति तथा अन्य जगत की वस्तुओं का अदभुत चित्रण मिलता है किउनके जन्मान्ध होने का विश्वास नहीं होता है। उपस्थित लोगों ने महाकविसूरदास जी के चित्र के सम्मुख दीपप्रज्जवलित किया। इस दौरान पवन जैन, अजयसाइकिल, तेजस्व श्रीवास्तव, नगर महामंत्री दीपक सिंघई एड, गोविन्द व्यास,ध्रुव साहू, देवेन्द्र जैन, जगमान सिंह राजपूत, रवीन्द्र जैन ने महाकविसूरदास जयंती पर अपने आवास पर श्रद्धासुमन सोशल डिस्टेंश के बीच अर्पितकर श्रद्धान्जलि दी।

ग्रामीण स्तर के हेल्थ वर्कर्रों को नहीं मिल रहे मास्क व सेनेटाइजर

ललितपुर। जिलाधिकारी अन्नावि दिनेशकुमार की अध्यक्षता में कोविड 19 कोरकमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथमविगत 24 घंटे के कोविड परिणामों पर चर्चा हुई। बैठक में जिलाधिकारी नेबताया कि कोरोना की तीसरी लहर से बच्चो के चपेट में आने का खतरा है, इसकेलिए हमे पूर्व से तैयार रहना है। इसके लिए आवश्यक है कि जनपद मेंपीडियाट्रिक वाई की स्थापना कर उसे पूर्णतः संचालित किया जाए। उन्होंनेनिर्देश दिए कि सीएचसी एवं जिला अस्पताल में 2 दिन के भीतर पीडियाट्रिकवाई संचालित कर दिए जाएं। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि समस्तसीएचसी, पीएचसी एवं अन्य अस्पतालों में नॉन कोविड मरीजों के लिए 24 घंटेइमरजेंसी सुविधा उपलब्ध कराई जाए। कोविड अस्पतालों की समीक्षा के दौरानजिलाधिकारी ने सीएचसी तालबेहट में कोविड मरीजों के उपयोग हेतु तत्कालपोर्टेबल एक्स-रे मशीन इंस्टॉल कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही एल-1एवं एल-2 अस्पताल में आवश्यकता के अनुसार कफ सिरप उपलब्ध कराया जाए।वैक्सीनेशन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि आज बहुत कम लोगों नेवैक्सीन लगवाई है, इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों को यह समझाना होगाकि वैक्सीन कोरोना से बचाव के लिए है। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्वविभाग के लेखपाल एवं आवश्यक वस्तुएं वितरित करना सुनिश्चित करें।मौके पर मुख्य विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि ग्रामीण क्षेत्रों मेंलगातार मुनादी कराई जा रही है, इसके अलावा निगरानी समितियों को प्रतिदिनकम से कम 21 दवाइयों की किटें उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में जिलाधिकारी नेकहा कि यह बात संज्ञान में आ रही है कि कुछ लोगों द्वारा

तीसरी लहर आने के पूर्व पीडियाट्रिक वाई संचालन के निर्देश

विकास विभाग के सेक्रेटरी के माध्यम से लोगों कोटीकाकरण के संबंध में जागरूक किया जाए। बैठक के दौरान यह बात सामने आई किग्रामीण स्तर पर हेल्थ वर्कर्स को मास्क एवं सेनेटाइजर का वितरण नहींकिया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी ने घोर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्यचिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया की तत्काल हेल्थ वर्कर्स को मास्कएवं सैनिटाइजर सहित अन्य वैक्सीन को लेकरअफवाह फैलाई जा रही है, उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे लोगों को चिन्हित करउन पर एफआईआर दर्ज कराएं। सैम्पलिंग की समीक्षा में बताया गया कि जनपदमें आज 1570 सैंपल लिए गए हैं, जिनमें 1130 सैम्पल ग्रामीण क्षेत्र तथा440 सैम्पल शहरी क्षेत्र में लिए गए हैं। डीएसओ पोर्टल की समीक्षा मेंबताया गया कि पोर्टल पर आज तक कि फीडिंग करा दी गई है। इस पर निर्देश दिएगए कि पोर्टल पर फीडिंग अद्यतन रखी जाए। सफाई एवं सैनेटाइजेशन की समीक्षामें बताया गया कि जनपद में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष सफाईअभियान चलाया जा रहा है तथा नियमित रूप से ब्लीचिंग एवं चूने के पाउडर काछिड़काव एवं फॉगिंग का कार्य कराया जा रहा है। बैठक में मुख्य विकासअधिकारी अनिल कुमार पांडेय, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अनिल कुमारमिश्र, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे लवकुश त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साअधिकारी डा.डी.के.गर्ग, परियोजना निदेशक बलिराम वर्मा, प्रभागीय निदेशकसामाजिक वानिकी डी एन सिंह, डीसी मनरेगा रविंद्रवीर यादव, ईओ, जिलापंचायत राज अधिकारी अवधेश कुमार, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीपकुमार, डा.जे.एस.बक्सी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं चिकित्सा विभाग केअन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

एक नजर...

मुख्यमंत्री श्री चौहान का कर्मचारी संगठनों ने माना आभार

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकम्पा नियुक्ति योजना और मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना लागू करने के लिए विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का आभार माना है। आज निवास पर कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान से भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना का कठिन काल हो या सामान्य समय कर्मचारी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। उनके परिवारों की चिंता राज्य शासन का दायित्व है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे कर्मचारियों को कोविड से बचाव की सभी सावधानियों का अनुसरण हर समय करने के लिए लगातार प्रेरित करते रहें। मुख्यमंत्री श्री चौहान से आज मंत्रालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री सुधीर नायक, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजकुमार पटेल, मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष श्री मेहमूद खान, न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता संघ के संयोजक श्री ओ.पी.एस. राजपूत, राजपत्रित अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष श्री डी.के. यादव, मध्यप्रदेश निगम मंडल कर्मचारी महासंघ के प्रांताध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव नीलू, भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश उपाध्यक्ष सुश्री नीलम धन्ना तथा प्रतिनिधि श्रीमती वरूणा गोयल, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री श्री हेमंत श्रीवास्तव तथा कोषाध्यक्ष श्री अनिल एडविन और संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतेन्द्र भदौरिया तथा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अजय अवस्थी ने भेंट की।

यह पीड़ित मानवता की सेवा का महान अवसर है

सिस्टर धर्म का करें निर्वाह

अपनी सेवा से मरीजों में नव-जीवन का संचार करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नव-नियुक्त एक हजार से अधिक नर्सों को वर्चुअली संबोधित किया

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के समय यह पीड़ित मानवता की सेवा का महान अवसर है। आपको सिस्टर के धर्म का पूरा निर्वाह करना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों में नव-नियुक्त नर्सों को संबोधित कर रहे थे। प्रदेश में 1015 नर्सों की नियुक्ति की गई है। वी.सी. में स्वास्थ्य आयुक्त श्री आकाश त्रिपाठी व सभी संबंधित उपस्थित थे। नर्सेज जिलों में एन.आई.सी केन्द्रों से शामिल हुईं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना के समय मरीज के साथ अस्पताल में अटेंडेंट नहीं रहता। ऐसे में नर्स की ड्यूटी ओर बढ़ जाती है। उसे निरंतर मरीज के हेल्थ पैरामीटर्स चैक करने के अलावा उसकी निरंतर देखभाल करना तथा मनोबल बढ़ाना भी आवश्यक है। अपने नवीन कार्य का प्रारंभ करें और अपनी सेवा से मरीजों में नव-जीवन का संचार करें। आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

सिस्टर स्नेह, प्रेम और आत्मीयता की प्रतिमूर्ति-मुख्यमंत्री श्री चौहान

ने कहा कि नर्स को हम सिस्टर अर्थात बहन कहते हैं। बहन स्नेह, प्रेम और आत्मीयता की प्रतिमूर्ति होती है। उनका परिवार के प्रति अद्भुत स्नेह होता है। इसी प्रेम, स्नेह एवं आत्मीयता से मरीजों की सेवा करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सिस्टर सरोज यादव द्वारा कोरोना उपचार के दौरान की गई सेवा की सराहना भी की।

यह समय युद्ध काल जैसा है-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना काल युद्ध काल जैसा है। हम पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से कोरोना के विरूद्ध लड़ाई लड़ रहे हैं। हमें दूसरी लहर के बाद अब तीसरी लहर के लिए भी तैयार रहना है। ऐसे में सिस्टर पूरे धैर्य एवं संयम के साथ अपने पवित्र कर्तव्य का निर्वाह करें।

सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर कार्य करें-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने एक कहानी के माध्यम से बताया कि कार्य के प्रति तीन प्रकार का दृष्टिकोण हो सकता है। पहला कार्य को मजबूरी अथवा बोझ मानना, दूसरा उसे केवल आजीविका मानना तथा तीसरा कार्य को सेवा का अवसर मानकर उसके लिए ईश्वर को धन्यवाद देना। हम कार्य को सेवा मानें और सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर कार्य करें।

वैक्सीन का एक भी डोज़ बेकार न जाए-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आप में से कई सिस्टर्स की ड्यूटी वैक्सीनेशन के लिए लगाई जायेगी। वैक्सीन हमारे लिए अमृत समान है। सभी सिस्टर्स इस बात का ध्यान रखें कि वैक्सीन का एक भी डोज़ बेकार न जाये।

किल कोरोना-3 अभियान के तहत सर्वेक्षण के दौरान क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यों को साथ रखें

संभाग आयुक्त ने ऑनलाइन समीक्षा के दौरान दिए निर्देश

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रदेश भर में चलाए जा रहे किल कोरोना-3 अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र में भ्रमण करते समय दल अपने साथ गाँव के सरपंच एवं अन्य ग्रामीणों को अपने साथ रखें। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने प्रतिदिन गूगल मीट के माध्यम से कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिये किए जा रहे प्रबंधनों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए हैं। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना प्रतिदिन ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में कोविड प्रबंधन के लिये किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हैं। मंगलवार को समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी जिलों में किल कोरोना-3 अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्र में किए जा रहे सर्वेक्षण में लगे दल के सदस्यों से भी ऑनलाइन चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने सभी दल प्रभारियों से कहा है कि वे सर्वेक्षण के दौरान अपने साथ ग्राम पंचायत के सरपंच एवं अन्य गणमान्य लोगों को भी साथ में रखें। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के लिये गठित की गई क्राइसेस मैनेजमेंट समिति के सदस्यों को भी सर्वेक्षण के दौरान साथ चलने का आग्रह करें। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं डीन मेडीकल कॉलेज शिवपुरी, दतिया एवं ग्वालियर से भी चर्चा कर कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिये जारी गाइडलाइन के अनुसार सभी प्रबंधन करने की बात कही। उन्होंने सभी जिलों में कोविड टेस्ट को बढ़ाने की बात भी कही। संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने कहा कि जिलों में जो पॉजिटिव केस आ रहे हैं उनकी कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग को बढ़ाकर टेस्टिंग कराई जाए। संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने टीकाकरण की समीक्षा के दौरान कहा कि सभी जिलों में यह सुनिश्चित किया जाए कि वैक्सीन का कहीं पर भी अपव्यय न हो। 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं को जो वैक्सीनेशन किया जा रहा है उसमें जिन लोगों को बुलाया जा रहा है वे सभी लोग वैक्सीनेशन कराएं, ऐसी व्यवस्था भी की जाए।

थाना पड़ाव पुलिस ने चोरी के गहनों से भरे बेग सहित 02 बदमाशों को किया गिरफ्तार

चोरो के पास से 06 लाख रूपये कीमत के सामान को किया बरामद

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे के निर्देषानुसार चोरी व लूट की घटनाओं पर अंकुष लगाने के लिये चलाये जा रहे अभियान के दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक शहर दक्षिण श्रीमती हितिका वासल,भापुसे व नगर पुलिस अधीक्षक पड़ाव श्री उमेष द्विवेदी द्वारा अपने अधीनस्थ थाना प्रभारियों को मुखबिर तंत्र विकसित कर प्रभावी कार्यवाही करने के लिये निर्देषित किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देष के परिपालन में कार्य करते हुए थाना प्रभारी पड़ाव उनि मुकेष शर्मा को सूचना प्राप्त हुई कि दिनांक 07.05.2021 को थाना क्षेत्र में हुई चोरी में संलिप्त संदेही को बस स्टेण्ड ग्वालियर के आसपास देखा गया है। उक्त सूचना पर से थाना प्रभारी द्वारा मय थाना बल के मुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी कर दो बदमाषों को धरदबोचा। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर दोनों बदमाषो ने घटना कारित करना स्वीकार किया। पकड़े गये बदमाष की निषादेही पर पुलिस द्वारा उनके घर से चोरी गये बेग को मय सोने के गहनों (एक चैन, एक हार, चार अंगूठी, दो झूमकी चार नग, एक पायल) 01 लेपटॉप मय चार्जर, 01 मोबाइल चार्जर कीमती 06 लाख रूपयेका मशरूका बरामद कर लिया गया। पुलिस द्वारा उक्त दोनों बदमाशों से नगदी बरामदगी व चोरी के संबंध मे सख्ती से पूछताछ की जा रही है। ज्ञात हो कि फरियादी द्वारा दिनांक 07.05.2021 को थाना

पड़ाव में आकर आवेदन दिया कि बहन के घर से वापस आते समय बस स्टेण्ड के पास किसी अज्ञात चोर द्वारा उसका गहनों च नगदी 80 हजार रूपये से भरा बेग चोरी कर लिया गया है। फरियादी के आवेदन पर से थाना पड़ाव पुलिस द्वारा अज्ञात चोरों के विरूद्ध चोरी का प्रकरण पंजीबद्ध कर उनकी तलाष की जा रही थी। बरामद मषरूका:सोने के गहनों (एक चैन, एक हार, चार अंगूठी, दो झूमकी चार नग, एक पायल) 01 लेपटॉप मय चार्जर, 01 मोबाइल चार्जर कीमती 06 लाख रूपये बरामद मषरूका:उक्त चोरों को पकड़कर माल बरामद करने में थाना प्रभारी उनि मुकेष शर्मा, सउनि सुरेन्द्र राजौरिया, आर0 षिवकुमार पाठक, गोपाल डंडोतिया की सराहनीय भूमिका रही।

कोरोना को हराकर घर जा रहीं रामाबाई का ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया अभिनंदन

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं कोविड के लिये जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सिविल अस्पताल हजीरा से कोविड को हराकर अपने घर जा रहीं सुश्री मीरा तोमर का अभिनंदन किया और उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। इसके साथ ही उन्होंने कोविड की महामारी के दौरान निरंतर सड़क पर खड़े होकर ड्यूटी कर रहे पुलिस कर्मियों से भी बातचीत कर उनकी हौसला अफजाई की।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर मंगलवार को अचानक सिविल अस्पताल हजीरा पहुँचे। अस्पताल में कोविड को हराकर स्वस्थ हुईं सुश्री मीरा तोमर से चर्चा की तथा उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। सुश्री मीरा तोमर ने अपनी हिम्मत और हौसले से कोरोना को परास्त किया है। मंत्री श्री तोमर ने उसे स्वस्थ होने पर बधाई दी तथा घर पहुँचने के बाद भी संक्रमण से बचाव हेतु सभी आवश्यक उपाय करने की सलाह भी दी। मंत्री श्री तोमर ने इस मौके पर अस्पताल में अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाले चिकित्सकों और पैरामेडीकल स्टाफ को भी महामारी के इस दौर में अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करने पर बधाई दी और उन्हें प्रणाम भी किया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने अस्पताल के निरीक्षण के पश्चात विनय नगर सेक्टर-3 में स्थित जनमित्र केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को समय पर मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही जरूरतमंदों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने की शासन की योजना का लाभ भी सभी लोगों को समय पर मिले। जिन लोगों को अस्थायी पात्रता पर्ची जारी की जाना है उन्हें भी तत्परता से करने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने संत कृपाल सिंह आश्रम के समीप नाले की खराब हालत देखने पर असंतोष व्यक्त करते हुए निगम अधिकारियों को तत्काल अधूरे काम को पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नाले के पास स्थित विद्युत पोल पर स्ट्रीट लाईट तत्काल लगाने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने निरीक्षण के दौरान गेंहे वाली सड़क पर निवासरत 70 वर्षीय रामाबाई को राशन न मिलने की शिकायत पर तत्परता से राशन उपलब्ध कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने अपने भ्रमण के दौरान जहां भी सुरक्षा कर्मी मिले, उनसे चर्चा की और उनकी हौसला अफजाई की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा कोरोना प्रबंधन में मध्यप्रदेश के जन-भागीदारी मॉडल की सराहना

ग्वालियर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना प्रबंधन में मध्यप्रदेश द्वारा अपनाये गये जन-भागीदारी मॉडल की सराहना की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा है कि जिला, ब्लाक और पंचायत स्तर पर क्राइसिस मनेंजमेंट कमेटियाँ बनाई गई हैं। इनमें पक्ष-विपक्ष के सभी राजनैतिक दलों के लोगों को जोड़ा गया है। यह जनता से जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका है। जन-प्रतिनिधियों को जोड़कर हम उनकी ऊर्जा का उपयोग कोरोना

के विरूध लड़ाई में कर सकते हैं। कोरोना संक्रमण गाँवों में फैल रहा है। वहाँ इसका सामना बिना जनशक्ति और जन-सहयोग के नहीं किया जा सकता। ग्राम, वार्ड, जिला स्तर पर जन-प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कोरोना के विरूध लड़ाई में राजनैतिक दल लोगों को जोड़ने की दिशा में अन्य राज्य भी मध्यप्रदेश के समान कार्य करें तो यह प्रभावी सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी देश भर के राज्य और जिले के अधिकारियों के साथ कोरोना महामारी के दौरान उनके अनुभवों के बारे में वीडियो कॉफ्रेंसिंग के द्वारा संवाद कर रहे थे। इनमें वे जिले शामिल थे जहाँ कोरोना के प्रकरण और संक्रमण अधिक है। वर्चुअल संवाद में जिला अधिकारियों द्वारा अपनाई गई रणनीति, नवाचार और जिलों और राज्यों द्वारा अपनाई गई बेस्ट प्रेक्टिसेस की जानकारी भी दी गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान निवास से वीडियो कॉफ्रेंसिंग द्वारा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम में इंदौर कलेक्टर श्री मनीष सिंह द्वारा इंदौर में अपनाई गई रणनीति, जन-सहभागिता के लिए किए गए प्रयासों, स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों और आपूर्ति श्रृंखला की दिशा में किए गए कार्यों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में गौतम बुद्ध नगर, चंडीगढ़, पटना, देहरादून, चैन्नई के अधिकारियों ने भी अनुभव साझा किये।

गृह मंत्री श्री अमित शाह ने किया संबोधित-गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि जिलों और राज्यों द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप अपनाई गई रणनीतियों को क्षेत्रीय आवश्यकता के अनुसार दोहराया जा सकता है। केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव श्री राजेश भूषण द्वारा देश में कोविड की स्थिति और राज्यों व जिलों द्वारा अपनाई गई बेस्ट प्रेक्टिसेस पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के समक्ष हुए बेस्ट प्रेक्टिसेस के प्रस्तुतीकरण में मध्यप्रदेश का जन-भागीदारी मॉडल ही एक मात्र राज्य स्तरीय था, जबकि अन्य सभी बेस्ट प्रेक्टिसेस जिला स्तरीय थे। केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि जिला, ब्लाक, पंचायत स्तर पर क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों के गठन से जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के परिणाम स्वरूप मध्यप्रदेश में जनता कर्फ्यू का क्रियान्वयन बहुत प्रभावी रहा। इसके साथ ही कोविड के प्रबंधन और टीकाकरण में भी जन-भागीदारी से सहायता मिली। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा आगामी समय में कोविड प्रबंधन के लिए दिये गये मार्गदर्शन के लिए आभार माना।

ट्रेसिंग और टेस्टिंग में भी मिला जनता का सहयोग-कलेक्टर इंदौर श्री मनीष सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार प्रदेश में कोरोना के विरूध्द युद्ध में प्रत्येक स्तर पर जनता का सहयोग लिया जा रहा है। जिला, ब्लाक, पंचायत स्तर पर क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियाँ विद्यमान हैं। इनमें सभी राजनैतिक दलों के सभी स्तर के जन-प्रतिनिधि सम्मिलित हैं। इनकी पहल और सहयोग से ही जनता कर्फ्यू का क्रियान्वय किया जा रहा है, जिससे संक्रमण की चेन तोड़ने में मदद मिली। जनता का सहयोग ट्रेसिंग और टेस्टिंग में भी मिला। कलेक्टर श्री मनीष सिंह ने ग्रामीणों द्वारा स्व-प्रेरणा से विभिन्न गतिविधियों में कोरोना बचाव के लिए अपनाई जाने वाली सावधानियों की जानकारी भी दी।

पूर्व मंत्री के आग्रह पर दंदरौआ सरकार ने कोरोना के चलते दिए 2 लाख

स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए दंदरौआ सरकार आये आगे

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर / कोरोना मरीजो को बचाने के लिए विभिन्न उपकरणों को खरीदने हेतु पूर्व मंत्री श्री भगवान सिंह यादव के आग्रह पर सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल दंदरौआ सरकार धाम के महंत महामंडलेश्वर श्री रामदास महाराज ने 2 लाख रुपये की राशि कोविड प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर,विधायक श्री सतीश सिकरवार,ग्वालियर कॉंग्रेस अध्यक्ष श्री देवेंद्र शर्मा तथा सहकारिता नेता श्री दशरथ सिंह गुर्जर एवं महाराज सिंह पटेल की मौजूदगी में समर्पित की।उक्त कार्यक्रम ग्वालियर शहर के ज्यारोग्य चिकित्सा समूह में संपन्न हुआ।जिसमें अस्पताल के संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक डॉ आर.के.एस धाकड़ एवं ग्वालियर संभाग के संयुक्त संचालक श्री ए.के दीक्षित मौजूद रहे।इस अवसर पर दंदरौआ महाराज श्री रामदास महाराज ने कहा कि जनता पर प्रथम बार आए कोराना महामारी के संकट में हर सक्षम धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं तथा राजनेताओं द्वारा यथासंभव सहयोग करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य होता है।इसी उद्देश्य पूर्व मंत्री श्री भगवान सिंह यादव के आग्रह पर दंदरौआ महाराज द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर,कंसल ट्रेडर्स तथा अन्य संयंत्र खरीदने हेतु मरीजों के सहयोग के लिए 2 लाख रुपये की राशि समर्पित की गई।इस दौरान दंदरौआ सरकार महंत महाराज श्री रामदास जी महाराज ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि देश में कोरोना का प्रकोप बुरी तरह फैल चुका है जिसका असर अब युवाओ पर ज्यादा हुआ है इसलिए सभी लोग शासन की गाइडलाइन के अनुसार शासन के नियमो का पालन करें।घरों में रहें मास्क का उपयोग करें।बाहर तभी निकलें जब ज्यादा ही आवश्यक कार्य हो।क्योंकि जब आप सुरक्षित होंगे तभी आपका परिवार सुरक्षित होगा और तभी हमारा प्रदेश-देश सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा की दंदरौआ सरकार डॉक्टर हनुमान जल्द ही देश को इस बीमारी से निजात दिलाएंगे और देश को कोरोना मुक्त बनाएंगे। यहां बता दें कि इससे पहले पूर्व मंत्री श्री यादव द्वारा 8 मई 2021 को अपनी पेंशन राशि में से एक लाख की राशि स्वास्थ्य विभाग को समर्पित की जा चुकी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोपाचल कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगम हनुमान मंदिर, गोपाचल कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitodey17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478